राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 13, अंक 258 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, बुधवार 10 जुलाई 2024 | www.samaydarshan.in

सार समाचार

मुंबई में बारिश ने जनजीवन को किया अस्त-व्यस्त

मुम्बई। बीते 24 घंटे के दौरान महाराष्ट्र समेत नौ राज्यों में मूसलाधार बारिश हुई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बदरा जमकर बरसे हैं। मुंबई में सोमवार सुबह 7 बजे से पहले के छह घंटों में 300 एमएम बारिश दर्ज की गई, जिससे मायानगरी थम गई। भारी बारिश के चलते मुंबई हवाईअड्डे पर दृश्यता कम होने की वजह से कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। मुंबई की जान कही जाने वाली लोकल ट्रेनों की आवाजाही बाधित हुई। स्कूल और कॉलेजों को बंद करना पड़ा। रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि में मुंबई में भारी बारिश हुई। सोमवार की सुबह शहर के कई इलाकों में 300 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की गई। 2019 के बाद से महानगर में एक दिन में सबसे अधिक बारिश है। सोमवार सुबह तक पिछले 24 घंटों में दर्ज की गई कुल 268 मिमी बारिश में से 210 मिमी वर्षा महज दो घंटों के भीतर दर्ज की गई। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के आंकड़ों के मुताबिक, मुंबई के पूर्वी उपनगरों में रात एक बजे से सुबह सात बजे के बीच सबसे भारी बारिश दर्ज की गई।

सीएसआईडीसी के सारे रेट कॉन्ट्रेक्ट जुलाई माह के अंत तक हो जाएंगे निरस्त

एक्शन में सीएम : भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने लिया बड़ा फैसला

सभी शासकीय खरीदी जेम पोर्टल से, पिछली सरकार ने जेम पोर्टल से खरीदी पर लगा दी थी रोक

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कैबिनेट में शासकीय समानों की खरीदी गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की रोकथाम के मद्देनजर आज एक बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट ने सीएसआईडीसी के माध्यम से खरीदी में भ्रष्टाचार की शिकायतों को देखते हुए इसके सभी रेट कॉन्ट्रेक्ट को जुलाई माह के अंत तक निरस्त करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि पूर्ववर्ती सरकार ने जेम पोर्टल से खरीदी पर रोक लगा दी थी, शासकीय सामग्री की खरीदी में दिक्कत, गुणवत्ता का अभाव एवं भ्रष्टाचार की शिकायतें काफी बढ़ गई थी।

साय सरकार ने इसको गंभीरता से लेते हुए न सिर्फ भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने का फैसला लिया है, बल्कि जेम के माध्यम से खरीदी की व्यवस्था को फिर से बहाल कर शासकीय सामग्री की खरीदी में पारदर्शिता सुनिश्चित की है। विष्णु सरकार का यह फैसला सुशासन की दिशा में एक और कदम है। कैबिनेट बैठक में छत्तीसगढ़ शासन भण्डार क्रय नियम 2002 के (यथा संशोधित 2022) में संशोधन प्रारूप का अनुमोदन किया गया। राज्य शासन के सभी विभाग आवश्यकतानुसार सामग्री, वस्तुओं एवं सेवाएं, जिनकी दरें एवं विशिष्टियां भारत सरकार के डीजीएसएण्डडी की जेम वेबसाइट में उपलब्ध हों, का क्रय जेम वेबसाईट से नियमानुसार निर्धारित प्रक्रिया पालन कर करेंगे। अतिरिक्त आवश्यकता होने पर सामग्री, वस्तु एवं सेवाओं के क्रय के संबंधित विभागों को वित्त विभाग से अनुमति लेना होगा।

बैठक में निर्णय लिया गया कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा वन और जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा वन अधिकार अधिनियम के तहत व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रधारकों की मृत्यु होने पर वारिसानों के नाम पर काबिज वन भूमि का हस्तांतरण राजस्व या वन अभिलेखों में दर्ज करने संबंधित कार्यवाही के लिए प्रक्रिया प्रारूप का अनुमोदन किया गया। इससे भविष्य में नक्शा का जिओ रिफ्रेंसिंग होने से भूखण्ड का आधार नंबर भी लिया जाएगा। इसका उपयोग नामांतरण, सीमांकन, बटवारा आदि में किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ सशस्त्र सहायक प्लाटून कमाण्डर (नर्सिंग), प्रधान आरक्षक (नर्सिंग), मेल नर्स, फिमेल नर्स, लैब टेक्निशियन, फार्मासिस्ट, नर्सिंग असिस्टेंड, कम्पाउण्डर, ड्रेसर, आरक्षक (बैण्ड), आरक्षक (श्वान दल) भर्ती प्रक्रिया वर्ष-2023 के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासियों को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट अनारक्षित वर्ग को निर्धारित अधिकतम आयु सीमा के अतिरिक्त एक बार के लिए 05 वर्ष की छूट एवं आरक्षित वर्ग को पहले से 05 वर्ष की आयु शिथिलीकरण के अतिरिक्त, एक बार के लिए, निर्धारित आयु सीमा में 05 वर्ष की और छूट प्रदान की जाएगी। प्रदेश में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के सफल क्रियान्वयन, सुशासन एवं जनसमस्याओं के समाधान के लिए एक पृथक विभाग ''सुशासन एवं अभिसरण विभाग'' का गठन किया गया है। जिसमें ई-समीक्षा, ई-लोकसेवा गारंटी एवं डिजिटल सेक्रेटरियेट को शामिल किए जाने के संबंध में मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आवंटन) नियम में संशोधन के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

सबको शिक्षा उपलब्ध कराने की अनुशंसा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इसके अलावा और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्ण रूप से लागू करने का निर्णय लिया गया। नई शिक्षा नीति के तहत कक्षा 5वीं तक बच्चों को स्थानीय भाषा-बोली में शिक्षा दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही प्री-प्राइमरी से 12 वीं तक सबको शिक्षा उपलब्ध कराने की अनुशंसा की गई है। इस नवीन शिक्षा नीति के तहत समतामूलक और समावेशी शिक्षा प्रदान करने के साथ ही प्रचलित शैक्षणिक संरचना 10+2 के स्थान पर 5+3+3+4 लागू किया गया है।

पुतिन ने मोदी को रूस का दिया सर्वोच्च नागरिक सम्मान

मॉस्को (एजेंसी)। रूस ने मंगलवार, 9 जुलाई को मॉस्को में पीएम नरेंद्र मोदी को देश का सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफसेंट एंड्रयू द एपोस्टल' से नवाजा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खुद उन्हें सम्मानित किया। ये सम्मान सबसे बेहतर काम करने वाले नागरिक या फिर सेना से जुड़े लोगों को दिया जाता है।

इससे पहले मोदी दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन राष्ट्रपति पुतिन के साथ शिखर वार्ता में भी शामिल हुए। उन्होंने कहा, 'एक मित्र के तौर पर मैंने हमेशा कहा कि जंग के मैदान से शांति का रास्ता नहीं निकलता है। बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति संभव नहीं होती है। समाधान के लिए वार्ता जरूरी है।'

पीएम की इस बात के जवाब में पुतिन ने कहा, 'आप यूक्रेन संकट का जो हल निकालने की कोशिश कर रहे हैं हम उसके लिए आपके आभारी हैं।' पीएम ने बातचीत के दौरान आतंकवाद का मुद्दा भी उठाया और कहा कि आतंकवाद हर देश के लिए खतरा बना हुआ है।

गौतम गंभीर बने टीम इंडिया के हेड कोच

द्रविड़ की जगह लेंगे, 2027 तक रहेगा कार्यकाल

मुंबई (एजेंसी)। गौतम गंभीर (बाएं) टीम इंडिया के हेड कोच की पोजिशन लेंगे। वह राहुल द्रविड़ (दाएं) की जगह लेंगे, जिनकी कोचिंग में भारत ने 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप जीता।

द्रविड का कार्यकाल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो गया। गंभीर का कार्यकाल जुलाई 2027 तक रहेगा।

गंभीर ने डेढ़ महीने पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को ढ्ढक्कन्-2024 का चैंपियन बनाया था। वे इसी साल कोलकाता की फ्रेंचाइजी के मेंटर बने थे। इतना ही नहीं, गंभीर ने अपनी मेंटरशिप में लखनऊ सुपर जायंट्स को लगातार 2 सीजन के प्लेऑफ में पहुंचाया था।

गंभीर को इंटरनेशनल या डोमेस्टिक लेवल पर कोचिंग का कोई अनुभव नहीं है, वह 2 आईपीएल फ्रेंचाइजी में कोचिंग स्टाफके इंचार्ज रहे हैं। आईपीएल 2022 और 2023 में वे लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटर थे।

संक्षिप्त समाचार

जनपद परिसर में संगम समिति ने किया वृक्षारोपण

सरायपाली (समय दर्शन)। संगम सेवा समिति द्वारा विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम के कड़ी में सराईपाली जनपद परिसर में वृक्षारोपण किया गया,वृक्षारोपण जनपद अध्यक्ष कुमारी भास्कर,जनपद उपाध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी ,संगम समिति संस्थापक प्रखर अग्रवाल द्वारा सामूहिक रूप से किया गया एवम् संगम समिति द्वारा सराईपाली के प्रत्येक वार्ड में पोधो का वितरण एवं वृक्षारोपण किया जा रहा है उक्त समय समिति के सदस्य तुषार सेन ,आशीष सेन,तरुण गड़तिया,प्रखर शर्मा,किशन जायसवाल,विजय नाग,आयुष साहू,अभिनय शाह,अभय नंद,सोनू पांडे,युगांत ,अमितेश सागर,नवीन यादव,दीपक नायक, सदस्य उपस्थित रहे।

पुष्प वर्षा से हुआ भगवान जगन्नाथ का स्वागत

सरायपाली (समय दर्शन)। आषाढ़ द्वितीय को हर वर्ष की भाँति सराईपाली में राम मंदिर से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा प्रारंभ की जाती है यात्रा का जगह जगह पर स्वागत किया जाता है एवं जगह जगह श्रध्दालु भगवान जगन्नाथ की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त करते है संगम सेवा समिति के संस्थापक प्रखर अग्रवाल द्वारा समिति के साथ मिल कर भगवान जगन्नाथ की यात्रा पर पुष्प वर्षा कर भगवान का स्वागत किया गया एवं भगवान की पूजा अर्चना रथ खिच कर आशीर्वाद प्राप्त किए,एवं समिति के सदस्यों द्वारा श्रद्धालुओं को ठंडा जल की सेवा प्रदान की गई।

आदिवासी छात्रावास में संगम ने किया वृक्षारोपण

सरायपाली(समय दर्शन)। संगम सेवा समिति द्वारा विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम के कड़ी में ,संगम सेवा समिति के संस्थापक प्रखर अग्रवाल द्वारा सरायपाली महलपारा स्थित आदिवासी छात्रावास परिसर में वृक्षारोपण किया गया,एवं छात्रावास में उपस्थित छात्रो से समिति के संस्थापक ने पेड़ो की सुरक्षा करने एवं नियमित रूप से पानी डालने की अपील भी की, इसके साथ ही प्रत्येक दिन समिति द्वारा सराईपाली के प्रत्येक वार्ड में पोधो का वितरण एवं वृक्षारोपण किया जा रहा है उक्त समय समिति के सदस्य तुषार सेन (अधिवक्ता),आशीष सेन,तरुण गड़तिया,प्रखर शर्मा,किशन जायसवाल,विजय नाग,आयुष साहू,अभिनय शाह,अभय नंद,सोनू पांडे,संजय,आलू नाग,अमितेश सागर,नवीन यादव,दीपक नायक, सदस्य उपस्थित रहे

वार्ड 13,14 में संगम सेवा समिति ने किया पौधे का वितरण

सरायपाली(समय दर्शन)। संगम सेवा समिति द्वारा विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम के कड़ी में सरायपाली वार्ड क्रमांक 13 एवं 14 में घर घर जा कर नीम कटहल जामुन गुलमोहर जाम के पौधों का वितरण किया गया एवं वार्ड वासीयो के आग्रह पर तत्काल में उनके आगन या घर के परिसर में मशीन द्वारा गड्ढा कर वृक्षारोपण किया गया,एवं समिति के संस्थापक प्रखर अग्रवाल द्वारा वार्ड वासीयो से आग्रह किया गया कि वे स्वयं इन पोधों की देखभाल करे ,उक्त समय समिति के सदस्य तुषार सेन(अधिवक्ता) ,आशीष सेन,रिंकु पटेल,संजय कुमार,आलू नाग,तरुण गड़तिया,प्रखर शर्मा,किशन जायसवाल,विजय नाग,आयुष साहू,अभिनय शाह,अभय नंद,सोनू पांडे, ,अमितेश सागर,नवीन यादव,दीपक नायक, सदस्य उपस्थित रहे

अघोषित विधुत कटौती व बिजली के दामों में वृद्धि जनता पर अत्याचार है- कांग्रेस

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष होरी राम साहू के नेतृत्व में सभी प्रकोष्ठ अध्यक्ष ब्लॉक अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने सोमवार को छत्तीसगढ़ शासन के जन विरोधी एवम किसान विरोधी नीतियों के विरुद्ध एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया।

धरना दे रहे कांग्रेस वक्ताओं ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही बिजली के दामों में बढ़ोत्तरी करना जनता के ऊपर अत्याचार है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष होरी राम साहू ने भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा एक तरफजहां भाजपा सरकार के नुमाइंदे सुशासन की दुहाई देते नहीं थक रहे हैं। वहीं बिजली की दामों में बढ़ोत्तरी कर आम जनता पर आर्थिक बोझ डालना और प्रतिदिन अवैध अघोषित बिजली कटौती पर अंकुश न लगा पाना सरकार की विफलता को बता रहा है।

कार्यक्रम के प्रभारी मोहन अवस्थी, ममता चंद्राकर, लालजी चंद्रवंशी, लाल बहादुर चंद्रवंशी, सीमा अगम,

वर्षा रानी ठाकुर, मोहित महेश्वरी, महेंद्र कुंभकार, अध्यक्ष शितेश चन्द्रवंशी आदि लोगों का कहना है कि राज्य सरकार के प्रस्ताव पर विद्युत नियामक आयोग ने विद्युत के दामों में बढ़ोतरी को मंजूरी दिया है। जो कि पूर्णतः अनुचित है। भाजपा सरकार के वित्तीय कुप्रबंधन के कारण छत्तीसगढ़ का आवाम बेहाल है। प्रदेश सरकार आमजनों को हर तरफ से परेशान करने की नियत से कार्य कर रही है। भाजपा का यह दोहरा चरित्र स्पष्ट है। वहीं अनुभागी अधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल के नाम से विज्ञापन सौप कर अघोषित विद्युत कटौती बंद कर सुचारू रूप से बिजली आपूर्ति से आम जनता को राहत दिलाने की मांग की गई है। धरना कार्यक्रम में ममता चंद्राकर, लालजी चंद्रवंशी, लालबहादुर चन्द्रवंशी, सीमा अगम अनंत, वर्षा रानी ठाकुर, मोहित माहेश्वरी, गोपाल चन्द्रवंशी, आकाश केशरवानी, बलदाऊ चन्द्रवंशी, संतोष नामदेव, मेहुल सत्यवंशी, राहुल सिन्हा, महेन्द्र कुंभकार, विनोद चंद्रवंशी, नारायणी टोनडर, ईश्वर शरण वैष्णव, राजपाल साहू, वाल्मीकि वर्मा, विक्की, अशोक सिंह, जयप्रकाश पार्ले, रामफल कौशिक, राजेन्द्र मार्कण्डेय, मुकेश सिन्हा, धनेश पाली, जीवन दास बंजारे, पंचू कोसरिया, भीखम कोसले, संतोष यादव, उत्तम कोफा, अंकित चौबे, दीपक ठाकुर, हेमंत ठाकुर, तारिणी ठाकुर, टुकेश्वर साहू, रूपेण वर्मा, भीषण पांडे, नरेशु चंद्राकर, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहे।

आज वार्ड क्रमांक 36 से 49 तक,जनसमस्या निवारण शिविर में होगा आमजनों की समस्या-शिकायतों का समाधान

शिकायतों का होगा निदान,वार्डवार जनसमस्या निवारण शिविर आयुक्त ने दी अधिकारियों को जिम्मेदारी

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम ।छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन एवं जनशिकायत निवारण विभाग, मंत्रालय महानदी भवन के आदेशनुसारकिसी तरह की समस्या होने पर नागरिकों को लंबी दूरी तय कर निगम कार्यालय आने की जरुरत नहीं होगी ।सुविधा और समस्याओं का निराकरण करने अधिकारी वार्ड के निर्धारित स्थान तक पहुंचेंगे ।शासन के आदेश के बाद कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी एवं नगर पालिक निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं ।शिविर अलग-अलग तिथियों में वार्डवार लगाया जाएगा। शिविर स्थल पर नोडल अधिकारी,सहायक नोडल अधिकारी एवं शिविर में प्रभारी अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहेंगे.10 जुलाई की शिविर के सफल कियान्वयन के लिए उपायुक्त मोहेंद्र साहू को नोडल अधिकारी एवं कार्यपालन अधिकारी दिनेश कुमार नेताम सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है. शिविर में खासबात यह है कि नागरिक अपना टैक्स भी उक्त शिविर में जमा कर सकते हैं ।शिविर समाप्त होने के बाद प्राप्त आवेदनों की समीक्षा हर दिन आयुक्त करेंगे ।बता दे कि जनसमस्या निवारण शिविर में हितग्राही अपनी समस्या उक्त शिविर में आवेदन के माध्यम से राजस्व वसुली, सफाई से सम्बंधित आवेदन, अतिक्रमण से सम्बंधित शिकायत,आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड,राशनकार्ड, निराश्रित पेंशन,विद्युत तथा पेयजल, सड़क एवं नाली निर्माण से सम्बंधित शिकायत आदि समस्याओं के निदान हेतु आवेदन प्रस्तुत किया जाएगा ।शिविर का आयोजन समय प्रातः 10:00 से लेकर 3:00 तक.10 जुलाई को वार्ड क्रमांक 36 से 49 चार वार्डो के लिए स्थान विवेकानंद सभागार पद्मनाभपुर में जनसमस्या निवारण शिविर लगाया जाएगा.आमजनों की समस्या का त्वरित निराकरण के लिए जन समस्या का निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है ।यह शिविर वार्डवार तिथियों के अनुसार आयोजित की जाएगी।

आर.टी.ई. अंतर्गत चयनित छात्रों का प्रवेश निर्विघ्न रूप से किया जाए - कलेक्टर सुश्री चौधरी

जिला स्तरीय समिति एवं मेन्टार्स की बैठक संपन्न

दुर्ग। दुर्ग जिले में निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रभावी एवं सुचारू क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय समिति एवं आरटीई मेंटोर की बैठक आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के नियमों एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने कहा कि जिले में आर.टी.ई. अंतर्गत चयनित छात्रों का प्रवेश निर्विघ्न रूप से किया जाए। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने जिले में नियुक्त सभी मेंटोंर से कहा कि वे आरटीई के चयनित छात्रों को उनकी शिक्षा पूर्ण होने तक विद्यालयों में अध्ययनरत् रखने का सतत् प्रयास करें। आर.टी.ई. के छात्रों से किसी प्रकार का भेदभाव न हो। कलेक्टर ने मेंटोंर को पालकों से समन्वय स्थापित करने कहा, ताकि छात्रों की उपस्थिति विद्यालय में नियमित रहें। कलेक्टर ने कहा कि समिति सदस्य यह ध्यान रखे कि आर.टी.ई. के छात्रों से किसी प्रकार का फीस न लिया जाए। छात्रों को सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में भी शामिल किया जाए ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सकें। उन्होंने कहा कि किसी भी विद्यालय में आर.टी.ई. के छात्रों को गणवेश एवं पुस्तक के लिए भेदभाव न बरती जाए। कलेक्टर ने समिति को सभी बिन्दुओं पर त्रैमासिक समीक्षा करने के निर्देश दिये। बैठक में समिति सदस्यों के सुझाव भी आमंत्रित किये गये। बैठक में एडीएम श्री अरविन्द एक्का, डीएफओ श्री चन्द्रशेखर परदेशी, सहायक कलेक्टर श्री एम. भार्गव, नगर निगम भिलाई के आयुक्त श्री देवेश ध्रुव, जिला पंचायत के सीईओ श्री अश्वनी देवांगन, दुर्ग नगर निगम आयुक्त श्री लोकेश चन्द्राकर, रिसाली नगर निगम आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा सहित सभी एसडीएम, सभी जनपद सीईओ तथा समिति सदस्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी श्री सुरेन्द्र पाण्डेय, श्री अमित घोष सहित समस्त विभाग के प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा किया गया वृक्षारोपण

अहिवारा (समय दर्शन)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स स्थानीय संघ द्वारा वन महोत्सव कार्यक्रम अंतर्गत विकासखंड स्तरीय वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन धमधा विकासखंड के अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बानबरद (अहिवारा) में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की थीम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम पर रखा गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद अहिवारा अध्यक्ष नटवर ताम्रकार, अध्यक्षता वार्ड नं 15 अहिवारा पार्षद श्रीमती मोकेश्वरी साहू, विशिष्ट अतिथि सतीश साहू विधायक प्रतिनिधि अहिवारा, रविशंकर सिंह प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भाजपा, विशेष अतिथि अनुज साहू सभापति नगर पालिका परिषद अहिवारा, वार्ड पार्षद श्रीमती मीना जोशी, शिवनारायण अग्रवाल, स्टालिन सामुवेल रहे। इस कार्यक्रम का प्रतिवेदन वि.खं. सचिव भारत स्काउट्स एवं गाइड्स देवेंद्र देवांगन ने प्रस्तुत किया। जिला संघ दुर्ग अध्यक्ष अशोक देशमुख ने वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के उद्देश्य और पौधों के संरक्षण एवं महत्व पर स्काउट गाइड छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं विशेष अतिथियों ने बच्चों को जलवायु परिवर्तन, भीषण गर्मी से बचने वृक्षारोपण कर संरक्षण करने संबोधित किया। बेनीराम वर्मा सहा. वि. खं. शिक्षा अधिकारी धमधा ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम का संचालन ईश्वरी प्रसाद साहू, व्या. सेजस अहिवारा ने किया। कार्यक्रम में वि.खं. धमधा के सेमरिया, नंदिनी-खुंदनी, अहेरी, अहिवारा और बानबरद विद्यालय की स्काउट्स एवं गाइड्स उपस्थित हुए। इस अवसर पर लीलाधर साहू, विद्यानंद कुशवाहा, नीरज साहू, संदीप ठाकुर, लोकेश स्वामी, हेमंत मरकाम, नीतू ताम्रकार, बिंदु टंडन, सीएससी किशोर तिवारी एवं शा.पू. मा.शाला बानबरद के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

रथ यात्रा के मौके पर विधायक चातुरी नंद ने कई कार्यों का किया भूमिपूजन

ग्राम चनाट में भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर और सीसी रोड तथा केंदूढार में रंगमंच निर्माण का किया भूमिपूजन

सरायपाली (समय दर्शन)। क्षेत्रीय विधायक चातुरी नंद ने रथ यात्रा के अवसर पर कई कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने ग्राम चनाट में भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर निर्माण और सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसी तरह विधायक नंद ने ग्राम केंदूढार में विंध्यवासिनी मंदिर के पास रंगमंच निर्माण कार्य भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि रथयात्रा के पावन अवसर पर भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर निर्माण कार्य का भूमिपूजन करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के गांवों के विकास के लिए मैं

सतत प्रयासरत हूं। इसी कड़ी में ग्राम चनाट में सीसी रोड निर्माण और ग्राम केंदू ढार में लंबे समय से किए जा रहे रंगमंच निर्माण का भूमिपूजन कर किया। आम जनता के हित में हमारी पार्टी हमेशा लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रही जिसका लाभ लोगों को मिलता भी है।

कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रतिनिधि रमेश पटेल, ग्राम चनाट की सरपंच हेमकुंवर पटेल,उप सरपंच चूड़ामणि साहू, दुधनाथ साहू, मूकितराम बरीहा यादराम बरीहा, सालीकराम बरीहा, मोतीराम बरीहा, बंसत बरीहा,टीकाराम पटेल, भारत पटेल, मोहन पटेल, जय कुमार पटेल, उदल पटेल, लव पटेल, अजय पटेल, कुंजन पटेल देवेश पुरषोत्तम पटेल, कमलदेव पटेल, संतलाल पटेल, नरेन्द्र पटेल, डोलामड़ी,जयबन, मनीष, भागीरथी, प्रकाश समेत ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने रतनपुर के डायरिया प्रभावित इलाके का किया दौरा

पीड़ितों से उनके घर और अस्पताल में की मुलाकात, घर-घर जाकर मरीजों का सर्वे करने दिए निर्देश

अस्पताल में डॉक्टरों और अधिकारियों की ली बैठक

बिलासपुर (समय दर्शन)। कलेक्टर अवनीश शरण ने रतनपुर के डायरिया प्रभावित इलाके का दौरा किया। उन्होंने पीड़ित परिवारों के घर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। उनसे चर्चा कर जानना चाहा कि आखिर इलाका विशेष में ही डायरिया का प्रकोप क्यों हुआ। रतनपुर का महामाया वार्ड क्र 3 में डायरिया के ज्यादा मरीज मिले है। कलेक्टर ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी भेंटकर उपचार व्यवस्था का जायजा लिया। चिकित्सकों को इनका अच्छे से इलाज करने के निर्देश दिए। फिलहाल 24 मरीजों का इलाज सामुदायिक अस्पताल में जारी है,सभी के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा हैं। उन्होंने रतनपुर के सभी वार्डों के घर-घर पहुंचकर मरीजों के सर्वे करने के

निर्देश दिए। स्वास्थ्य एवं नगरीय निकाय मिलकर सर्वे कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि जरा भी डायरिया के लक्षण मिले तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कर इलाज कराएं। निरीक्षण के बाद कलेक्टर ने अस्पताल में बैठक लेकर स्वास्थ्य, राजस्व एवं नगर पालिका अधिकारी को आपसी तालमेल के साथ सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। स्थानीय तहसीलदार को सभी मरीजों के ठीक होने तक मुख्यालय नहीं छोड़ने को कहा है। उन्होंने आम नागरिकों को भी सचेत किया है। साफपानी एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखने की अपील की है।

कलेक्टर ने चिकित्सा अधिकारियों से कहा कि मरीज के पूरी तरह ठीक होने के बाद ही अस्पताल से छुट्टी दिया जाये। बीएमओ ने बताया कि अस्पताल में सभी तरह की दवाईयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। एक दवाई की कमी थी जिसे स्थानीय स्तर पर खरीद लिया गया है। कलेक्टर ने भ्रमण के दौरान नाली एवं इससे होकर गुजरे पाईप लाईन का भी निरीक्षण किया। कुछ जगहों पर टुल्लू पम्प से पानी खिंचने वाली पाईप के लिकेज होने की जानकारी मिली। उन्होंने सभी नागरिकों से पाईप बदलने को कहा है। नगरपालिका अधिकारी को भी पाईप लाईन का अच्छी तरह परीक्षण कर जरूरत के अनुरूप बदलने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सामुदायिक अस्पताल में संचालित एनआरसी (पोषण पुनर्वास केन्द्र) का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों के लिए बने नाश्ते को चखकर इसकी गुणवत्ता की जांच की। यहां उपलब्ध सभी नौ बेड भरे हुए हैं। एनआरसी में बच्चों एवं उनके अभिभावकों के मनोरंजन के लिए एक टीवी खरीदने की स्वीकृति दी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम रात्रे,एसडीएम युगल किशोर उर्वशा, सीएमएचओ डॉ. प्रताप श्रीवास्तव, तहसीलदार पंकज सिंह, नगरपालिका अधिकारी हरदयाल रात्रे, बीएमओ डॉ. मिथलेश गुप्ता, डीपीएम पियूली मजूमदार, बीपीएम श्वेता सिंह सहित चिकित्सक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सार समाचार

सरेआम शराब पीते 13 लोग गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने इंडोर स्टेडियम के पास सरेआम शराब पीते आरोपी गजेन्द्र प्रसाद विश्वकर्मा 27 वर्ष, अनिल ध्रुव 28 वर्ष, हेमलाल गायकवाड़ 25 वर्ष व प्रसांत तोरले 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह खम्हारडीह पुलिस ने आरोपी विरेन्द्र सेन 32 वर्ष, राजेन्द्र नगरर पुलिस ने आारोपी योगेश ध्रुव 34 वर्ष एवं मुजगहन पुलिस ने आरोपी यशवंत धनगर 24 वर्ष व नितिश पाल 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं अभनपुर पुलिस ने आरोपी हेमकुमार साहू 60 वर्ष एवं तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी सुखदेव जांगड़े 24 वर्ष, अरविंद चौहान 33 वर्ष व गोलू भारती 30 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं माना पुलिस ने आारोपी कमल साहू 33 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

ट्रेने रद्द,पर मालभाड़े ने बनाया रिकार्ड

रायपुर(समय दर्शन)। रेलवे के विकास कार्यों से रद्द हो रही ट्रेनों का फायदा मालगाड़ियों को काफी हो रहा है। बीते तीन महीने में 200 से अधिक ट्रेनों को रेलवे ने रद्द किया, ताकि पटरियों का कार्य किया जा सके। लेकिन इस बीच मालगाड़ियों का परिचालन रेलवे ने नहीं रोका। लगातार ट्रेनों के रद्द से जोन के लाखों यात्रियों को दिक्कत हुई। दूसरी ओर इस बीच रेलवे ने मालगाड़ियों का परिचालन बढ़ाकर नई उपलब्धि हासिल कर ली है। इस वित्तीय वर्ष के प्रथम 3 माह बिलासपुर मंडल में 30 जून तक 47 मिलियन टन माल ढुलाई किया है। पिछले साल वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में 40 मिलियन टन हुआ था। ट्रेनों के रद्द होने के बाद भी मालगाड़ियों का परिचालन जारी रहा। जानकारी मुताबिक ट्रैक खाली होने से रेलवे ने मालगाड़ियों की संख्या और बढ़ा दी, ताकि अधिक से अधिक कोयला का ढुलाई हो। जोन में ट्रेन रद्द के दौरान जमकर माल की ढुलाई है। रेलवे का कहना है कि, देशभर में पटरियों को अपग्रेड करने का काम तेजी से चल रहा है। इस वजह से रायपुर से गुजरने वाली ट्रेनों को हर महीने रद्द करना पड़ रहा है। जिस रूट पर यात्री ट्रेनों को रद्द किया जाता है, उस मार्ग पर मालगाड़ियों का परिचालन रद्द नहीं किया जाता। रेलवे के अनुसार ट्रेनों की तरह मालगाड़ियों के रद्द होने की सूचना जारी नहीं की जाती। पटरियों में दोपहर के वक्त काम होता है। उस समय केवल मालगाड़ी नहीं चलाई जाती, लेकिन सुबह और रात के समय पटरियों को मालगाड़ी का परिचालन जारी रहता है। इस वजह से मालगाड़ी को रद्द नहीं किया जाता।

पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी के ब्लॉकों में शामिल हुये

बिजली कटौती और दाम बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस का प्रदेश व्यापी विरोध प्रदर्शन

प्रदेश के सभी 307 संगठन ब्लॉकों में दिया गया धरना

रायपुर(समय दर्शन)। बिजली कटौती और बिजली के दामों की बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस ने आज प्रदेश के सभी ब्लॉकों में धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सौपा। राज्य में जब से भाजपा की सरकार बनी है बिजली की कटौती से जनता परेशान है। बिजली कटौती और महंगी बिजली के कारण परेशान जनता की आवाज को उठाने कांग्रेस ने जनआंदोलन छेड़ा है। कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता गण अपने-अपने क्षेत्रों के ब्लॉकों में आयोजित धरनों में शामिल हुये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी रायपुर के धरने में शामिल हुये। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजधानी के राजीव गांधी चौक के धरने में तथा पूर्व मुख्यमंत्री कुशालपुर रिंग रोड, सिद्धार्थ चौक, राजीव गांधी चौक के धरने में शामिल हुये। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत जांजगीर-चांपा सक्ती के धरने में शामिल हुये। राजधानी रायपुर के धरने को संबोधित करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पिछले 6 माह में विद्युत सरप्लस वाला छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कटौती का केंद्र बन गया है। कोई ऐसा दिन नहीं होता जब बिजली दो-चार घंटे के लिये बंद न हो, रात में तो बिजली की स्थिति तो और भयावह हो जाती है, घंटो बिजली गोल हो जाती है। भाजपा से न सरकार संभल पा रहा और न ही व्यवस्थायें। सरकार एक तो पूरे समय बिजली नहीं दे पा रही, ऊपर से उपभोक्ताओं पर महंगी बिजली का बोझ डाल रही है। प्रदेश के अनेक जिलों में तो पूरी रात बिजली कटौती हो रही है। भाजपा सरकार में आम जनता को मांग के अनुसार बिजली नहीं मिल रहा है। बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से शहर और गांव की जनता जूझ रहे हैं। कांग्रेस की सरकार के दौरान 24 घंटा बिजली की आपूर्ति होती थी। गर्मी के दिनों में मांग बढने पर दूसरे राज्यों से भी बिजली की खरीदी किया जाता था और आम जनता को 24 घंटा बिजली की आपूर्ति की जाती थी। रवि फसल लगाने वाले किसानों को भी बोरवेल चलाने के लिए बिजली नि:शुल्क मिलता था। कांग्रेस की सरकार ने 5 वर्षों तक विपरीत परिस्थितियों में भी बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बिजली बिल हाफ योजना शुरू किया था जिसका लाभ प्रदेश के 44 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को मिलता था जिसे 5 साल में प्रत्येक उपभोक्ता का 40 से 50 हजार रु. तक की बचत हुई है। 1000 रू. महीना महिलाओं को देकर भाजपा सरकार बिजली बिल के रूप में दुगुना वसूल रही है।

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ की गरीब जनता को दोनो हाथो से लूटा : देवलाल ठाकुर

कांग्रेस के शराब घोटाले ने छत्तीसगढ़ को शर्मसार किया :देवलाल ठाकुर

रायपुर(समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले को लेकर हो रहे नित-नए खुलासों के बाद कांग्रेस के भ्रष्टाचार की काली करतूतें जिस तरह बेपर्दा हो रही हैं, उससे छत्तीसगढ़ तो शर्मसार है, लेकिन कांग्रेस के लोग आज भी बड़बोलेपन से बाज नहीं आ रहे हैं। ठाकुर ने कहा कि शराब घोटाले को लेकर कोर्ट में पेश में चुनिंदा नेताओं को शराब सिडिकेट द्वारा हर माह 10-10 करोड़ रुपए पहुँचाए जाने और रकम पाने वाले नेताओं द्वारा शराब सिंडिकेट को प्रोटेक्शन दिए जाने का उल्लेख होना यह बताता है कि कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार भ्रष्टाचार में किस तरह डूबी हुई थी! भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि शराब की काली कमाई को रफ्तार देने अनवर ढेबर, अरुणपति त्रिपाठी ने अपने गुर्गों तथा आबकारी विभाग के अफसरों की मदद से अन अकाउंटेड शराब खपाने का टारगेट एक साल के बाद ही दोगुना कर दिया था। इस बात का खुलासा भी ईओडब्लू द्वारा कोर्ट में पेश चार्जशीट से हुआ है। ठाकुर ने कहा कि यह एक और ताजा खुलासा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले को लेकर किए जा रहे मिथ्या प्रलाप पर करारा तमाचा है। बघेल अब प्रदेश को बताएँ कि वे अपना मिथ्या प्रलाप कब बंद करेंगे और शराब घोटाले के सच का सामना करने का माद्दा कब दिखाएंगे? ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के द्वारा किया गया शराब घोटाला छत्तीसगढ़ की राजनीति में किया गया सबसे घृणित कार्य है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कहा कि कोई ऐसी सरकार नहीं होती है जो अपने राजस्व पर ही डाका डालने का काम करे है, लेकिन भूपेश सरकार ने यह भी कर दिखाया। वह राजस्व, जो सरकार को मिलना होता है, प्रदेश सरकार उसकी कस्टोडियन होती है और उस पैसे को जनता तक पहुँचाना उसका काम होता है।

जल स्रोतों का साफ-सुथरा होना जरूरी: मुख्य सचिव

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने कहा है कि जल निकायों (स्त्रोतों) को साफ-सुथरा रखना हमारी जिम्मेदारी हैं। नदियों, तालाबों सहित अन्य जल स्त्रोतों में किसी भी प्रकार प्रदूषण नही होना चाहिए। मुख्य सचिव जैन आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) द्वारा पारित आदेश के परिपालन में आवास एवं पर्यावरण विभाग द्वारा आयोजित बैठक में अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में जल संसाधन, नगरीय प्रशासन एवं विकास, वन एवं जलवायु परिवर्तन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के अधिकारी शामिल हुए। मुख्य सचिव ने राज्य की नदियों, जलाशयों, तालाबों एवं अन्य जल स्त्रोतों को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए एक्शन प्लान के तहत कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। बैठक में अधिकारियों को जल निकायों की रक्षा करने, भूजल निकासी, जल संरक्षण, जल की गुणवत्ता बनाये रखने सहित राज्य के शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों तरल और ठोस अपशिष्ट पदार्थों की डंपिंग रोकना एवं अपशिष्ट प्रबंधन सहित अन्य मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने नगरीय निकायों में निकायवार कचरा कलेक्शन निराकरण की कार्यवाही तथा नियमित निगरानी रखने कहा है उन्होंने अधिकारियों को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा पारित आदेशों का पालन करने कहा गया है।

कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की इज्जत नहीं कभी उन्हे स्लीपर सेल ,कभी सत्ता भोगी बोला जा रहा है -संजय

रायपुर(समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज से अब पार्टी संगठन सम्हाले नहीं सम्हल रहा है और इसी बौखलाहट में अब वह भी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की भाषा बोलकर अपने कार्यकर्ताओं को सत्ता-भोगी और न जाने क्या-क्या कहकर अपनी हताशा जगजाहिर कर रहे हैं। वास्तव ने कहा कि कार्यकर्ता किसी भी संगठन की रीढ़ होते हैं लेकिन कांग्रेस में कदम-कदम पर अपने ही कार्यकर्ताओं को अपमानित करने मानो होड़ लगी हुई है। छत्तीसगढ़ में इसीलिए कांग्रेस रसातल में जा पहुँची है और कांग्रेस के नेता फिर भी जुबानी तौर पर बेलगाम होते जा रहे हैं। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रीवास्तव ने कहा कि बैज अपने कार्यकर्ताओं को सत्ता-भोगी बताकर काग्रेस छोडने की नसीहत दे रहे हैं और इस खुशफहमी में हैं कि संघर्ष के साथी उनके साथ हैं। कांग्रेस के जितने बड़े नेता, जो खुद भी हार गए हैं और जिनकी वजह से कांग्रेस हारी, अब वह रोज कार्यकर्ताओं को कोस रहे हैं, उनको धमकी दे रहे हैं! पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, जिनके कारण विधानसभा चुनाव में कांग्रेस हारी, लोकसभा चुनाव में 10 सीटें हारी, जिनके खिलाफ कार्यकर्ता लगातार चिट्ठियां लिख रहे हैं, हार की जिम्मेदारी लेने के बजाय कार्यकर्ताओं को 'स्लीपर सेल' बता रहे हैं और उन कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करवा रहे हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि दीपक बैज, जो खुद स्वयं विधानसभा का चुनाव हार गए, उसके बाद उनके नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष रहते लोकसभा में कांग्रेस की करारी हार हुई है, अपनी खुद की लोकसभा भी वे बचा नहीं पाए और उसके बाद अब कार्यकर्ताओं को धमकी दे रहे हैं, सत्ता भोगी और न जाने क्या-क्या कह रहे हैं!

घर बनाना हुआ आसान सरिया का रेट हुआ कम

रायपुर(समय दर्शन)। भवन निर्माण सामग्री बाजार में इन दिनों मंदी छाई हुई है। इसका असर सरिया की कीमतों में दिखने लगा है। लोहा बाजार में सरिया अपने तीन वर्ष के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है और फैक्ट्रियों में सरिया 52,000 रुपये प्रति टन पहुंच गया है। वहीं रिटेल बाजार में सरिया की कीमते 55,000 रुपये प्रति टन बिक रही है। बीते पखवाड़े भर में ही सरिया की कीमतों में 3000 रुपये प्रति टन की गिरावट आ गई है। क्षेत्र से जुड़े कारोबारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में इसकी कीमतों में और गिरावट के आसार बने हुए है,अभी स्थानीय डिमांड के साथ ही बाहरी डिमांड भी नहीं है। कारोबारी सूत्रों का कहना है कि अभी कीमतों में किसी भी प्रकार से तेजी के आसार नहीं है। कारोबारियों का कहना है कि बारिश का मौसम वैसे भवन निर्माण के लिए आफ सीजन ही माना जाता है,लेकिन इस वर्ष तो ज्यादा ही मंदी देखी जा रही है। मालूम हो कि पिछले दिनों लोहा बाजार में सटोरियों का साया बना हुआ था और सटोरिये अपने फायदे-नुकसान के अनुसार कीमतों में उतार-चढ़ाव कर रहे थे। अब बाजार की मंदी के चलते कीमतों में गिरावट बनी हुई है।

भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथों को पुरी में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के दूसरे दिन भक्तों द्वारा औपचारिक रूप से खींचा जाता है।

सब्जियों की बढ़ी कीमतों ने थाली से गायब हुआ स्वाद

रायपुर(समय दर्शन)। सब्जियों की आसमान छूती कीमतों का असर इन दिनों इसकी खरीदारी पर पड़ी है, इसके बाद भी कीमतों में किसी भी प्रकार से गिरावट नहीं है। कारोबारियों का कहना है कि जो लोग पहले सब्जियों से दो से तीन किलो लेते थे, वे अब पाव व आधा किलो में उतर आए है। सब्जी कारोबारियों के अनुसार अभी उपभोक्ताओं को राहत के आसार नहीं है। बाहरी क्षेत्रों में हो रही बारिश के चलते आवक में लगातार कमी आ गई है। इसका असर ही कीमतों में पड़ा है। शनिवार को थोक बाजार में ही टमाटर 1200 रुपये कैरेट पहुंच गया। शास्त्री बाजार, गोलबाजार, आमापारा, संतोषीनगर, टिकरापारा बाजार में टमाटर 60 से 80 रुपये किलो, गोभी 80 रुपये किलो, बरबट्टी 110 रुपये किलो, करेला 50 रुपये किलो, बैगन 40 से 50 रुपये किलो, लौकी 30 रुपये किलो, भिंडी 60 रुपये किलो तक बिक रही है। इसके साथ ही कमजोर क्वालिटी का होने के बावजूद आलू-प्याज की कीमतों में भी जबरदस्त तेजी है। आलू 40 रुपये किलो और प्याज 50 रुपये किलो पार हो गई है। सब्जी कारोबारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में कीमतों में थोड़ी और तेजी देखने को मिल सकती है। थोक सब्जी व्यावसायी संघ के अध्यक्ष टी श्रीनिवास रेड्डी का कहना है कि जब तक सब्जियों की आवक में सुधार नहीं होगा, कीमतों में गिरावट नहीं आने वाला। आने वाले पंद्रह-बीस दिन तो आवक में तेजी की संभावना भी नहीं दिख रही है। इन दिनों स्थानीय आवक नहीं हो रही है तथा सब्जियों के लिए बाहरी आवक पर ही निर्भरता बढ़ गई है, इसका असर ही कीमतों में देखा जा रहा है।

शहरों के विकास के लिए नहीं होगी राशि की कमी- उप मुख्यमंत्री अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने 15 करोड़ रुपए लागत के 94 विकास कार्यो का किया भूमिपूजन

रायपुर(समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर निगम क्षेत्र में शामिल वार्डों के विकास के लिए 14 करोड़ 73 लाख रुपए के 94 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं भूमिपूजन किया। बिलासपुर के जिला खेल परिसर में आयोजित समारोह की अध्यक्षता विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने की। उप मुख्यमंत्री श्री साव की पहल और विधायक श्री शुक्ला के विशेष प्रयासों से 15वें वित्त आयोग, अधोसंरचना मद एवं निकाय मद के अंतर्गत ये विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं। अधिकांश स्वीकृत कार्य सीसी रोड, नाली निर्माण तथा स्ट्रीट लाइट से संबंधित हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव एवं विधायक श्री शुक्ला ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत खेल परिसर में नीम के पौधे भी लगाए। भूमिपूजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि विगत पांच सालों में पहली बार विकास कार्यों के लिए लगभग 15 करोड़ की एकमुश्त राशि मिली है। हमारी सरकार नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए संकल्पबद्ध है। शहरों के विकास के लिए राशि की कोई कमी नहीं होगी। जनभावना के अनुरूप तमाम विकास कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर से हाल ही में मुलाकात हुई है। हमें जल्द ही और आबंटन मिलने की संभावना है। इससे हर जरूरतमंद एवं पात्र व्यक्ति को रहने के लिए पक्का छत मिल सकेगा। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सभी को पेड़ लगाने का आह्वान किया। उन्होंने इसे बड़े होते तक सहेजने को भी कहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कहा कि उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव शहर की समस्याओं से अवगत हैं। धीरे-धीरे पूरी समस्याओं का समाधान होगा। इससे शहर की दशा एवं दिशा जरूर बदलेगी। नगर निगम आयुक्त श्री अमित कुमार ने कार्यक्रम में स्वागत भाषण एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बिलासपुर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष श्री राजेश सिंह, जिला पंचायत के सीईओ श्री रामप्रसाद चौहान और प्रभारी डीएफओ श्री अभिनव कुमार सहित विभिन्न वार्डों के पार्षद, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

संपादकीय

यह बड़ी चूक है

उत्तर प्रदेश में हाथरस के सिकन्द्राराऊ के पुलराई गांव में आयोजित सत्संग में मची भगदड़ से 125 लोगों की मौत हो गई।अनेक लोग घायलावस्था में अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। पुलिस के अनुसार मरने वालों की संख्या 116 बताई जा रही है। कथावाचक नारायण साकार हरिनाम जिसे विश्व हरि भी कहा जाता है, का यह सत्संग था जो एटा से अलग हुए कासगंज के पटियाली के बहादुरपुर गांव का मूल निवासी बताया जाता है। इसका असली नाम सूरजपाल जाटव है। उप्र पुलिस में कान्सटेबल जाटव छेड़खानी के मामले में निलंबित कर दिया गया था, बाद में बर्खास्त हो गया। अदालत द्वारा नौकरी बहाल किए जाने के बाद जाटव ने दावा किया कि परमात्मा से उनका सीधा संवाद होता है। इसके बाद तो उनके साथ-साथ धर्मभीरु जनता जुड़ती चली गई और बड़े-बड़े आयोजन होने लगे, जिनमें हजारों की संख्या में गरीब और वंचित शामिल होते हैं। कुचल कर मरने वालों में महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा है। तीन साल पहले इसी बाबा के इटावा के नुमाइश मैदान में हुए सत्संग के दौरान भी अफरातफरी हुई थी। बेशकीमती चश्मा और सफेद कपड़े पहनने वाले बाबा के वर्दीधारी स्वयंसेवकों की लंबी-चौड़ी फौज बताई जा रही है। कार्यक्रम के लिए प्रशासन से केवल कुछ लोगों के शामिल होने की अनुमति थी। आयोजन स्थल के भीतर की व्यवस्था का जिम्मा स्वयंसेवकों का होता है। यह भीषण त्रासदी पुलिस-प्रशासन के गैर-जिम्मेदाराना रवैये का सबब कही जाएगी क्योंकि गांव की तरफ आ रही भारी भीड़ की अनदेखी की गई। चश्मदीदों के अनुसार भक्तों में बाबा के चरण छूने की मची होड़ का नतीजा थी यह भगदड़। बाबा फरार बताया जा रहा है और उसकी लोकेशन ट्रेस करने के प्रयास जारी हैं। सत्संग के व्यवस्थापकों का कोई अता-पता नहीं है। इस तरह के आयोजनों, मेलों और विशाल कार्यक्रमों के प्रति मुस्तैदी क्यों नहीं बरती जाती। साल में कई दफा भीड़ के भगदड़ में कुचल कर मारे जाने के बावजूद सरकार की चुप्पी हैरान करने वाली प्रतीत होती है। मात्र संवेदनाएं व्यक्त करने से मृतकों के परिवार संतुष्ट नहीं हो सकते। यह बड़ी चूक है। श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए भी ऐसी चाक-चौबंद व्यवस्था की जानी जरूरी है, जिससे इस तरह के हादसों से वे सुरक्षित रहें। भले ही इस पर पड़ने वाले आर्थिक भार की वसूली व्यवस्थापकों से की जाए परंतु जनता के प्रति जिम्मेदाराना रवैया निभाने से मुकरना कतई उचित नहीं है।

फिर संभाली कमान

भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हेमंत सोरेन की मुख्यमंत्री पद पर वापसी ने राजनीतिक जवाबदेही पर बहस छेड़ दी है। आलोचकों का मानना है कि उन्हें जमानत मिलने के बाद लोगों का विश्वास पुनः अर्जित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए था, जिससे उनका कद ऊंचा होता और लोकतांत्रिक मूल्यों को बल मिलता। जैसी कि संभावना जताई जा रही थी, जेल से बाहर आने के कुछ ही दिनों बाद छ्वरूरू नेता हेमंत सोरेन के दोबारा मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। बुधवार को चंपई सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद जिस जल्दबाजी में उन्होंने गुरुवार को शपथ ग्रहण किया, उसे सामान्य नहीं कहा जाएगा।

समर्थकों की दलील : हेमंत सोरेन ही नहीं, छ्वरूरू का भी कहना है कि उन्हें राजनीतिक कारणों से फंसाया गया है और यह कि लोकसभा चुनावों से ऐन पहले झारखंड के मुख्यमंत्री पद पर बैठे व्यक्ति को गिरफ्तार करके जेल भेजने की जिद के पीछे मंशा यही थी कि राज्य में छ्वरूरू और विपक्षी गठबंधन ढ्ढहृष्ठढ्ढ को ज्यादा सीटें न मिल सकें। अब जब हाईकोर्ट के आदेश से हेमंत सोरेन जेल से बाहर आ गए हैं तो पार्टी, गठबंधन और सरकार उनके योग्य तथा सक्षम नेतृत्व से क्यों वंचित रहें।

परिवार से बाहर का विकल्प : दिक्कत यह है कि कुछ ऐसे सवाल और मुद्दे भी इस मामले से जुड़े हैं जिन्हें फिलवक्त छ्वरूरू और ढ्ढहृष्ठढ्ढ के नेता अनदेखा कर रहे हैं। एक बड़ा सवाल तो यही है कि क्या एक खास परिवार से बाहर के लोगों का स्थान छ्वरूरू में 'फिलर' जैसा ही है कि जब जरूरत हो वे किसी का स्थान भरने आ जाएं और फिर जरूरत पूरी होते ही हटा दिए जाएं। जाहिर है, विपक्ष इसे मुद्दा बनाएगा, बल्कि बनाना शुरू कर दिया है। आने वाले विधानसभा चुनावों में इस सवाल की असरदार काट तैयार करना छ्वरूरू के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

केस की कार्यवाही : हेमंत सोरेन पर लगे आरोपों को लेकर चाहे कुछ भी कहा जाए, यह एक तथ्य है कि देश की एक राष्ट्रीय जांच एजेंसी उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच कर रही है, जिसका झूठ-सच सामने आना अभी बाकी है। हेमंत सोरेन अभी जमानत पर बाहर आए हैं। खबरें बताती हैं कि ईडी उन्हें मिली जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की सोच रही है। ऐसे में क्या गारंटी है कि सुप्रीम कोर्ट से फैसला उनके खिलाफ नहीं आएगा और दोबारा उनके जेल जाने की स्थिति पैदा नहीं होगी?

जवाबदेही का सवाल : सबसे ऊपर है राजनीतिक जवाबदेही का मुद्दा। हेमंत सोरेन पर ईडी द्वारा लगाए गए आरोपों की सचाई चाहे जो भी हो, इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि यह एक राजनीतिक मामला भी है। जो व्यक्ति राज्य के मतदाताओं द्वारा चुनी गई सरकार का नेतृत्व कर रहा था, उस पर एक राष्ट्रीय एजेंसी ने गंभीर आरोप लगाए। ऐसे में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले जमानत पर छूटते ही दोबारा पद पर बैठने के बजाय वह पहले लोगों का फिर से विश्वास हासिल करने पर ध्यान देते, तो न केवल अपना कद ऊंचा करते बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों को भी नई ऊंचाई देते।

सार्थक संवाद की दृष्टि से निराशाजनक रहा लोकसभा का पहला सत्र

प्रो. संजय द्विवेदी

भारतीय संसद अपनी गौरवशाली परंपराओं, विमर्शों और संवाद के लिए जानी जाती है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लोकतांत्रिक बहसों को प्रोत्साहित किया और अपने प्रतिपक्ष के नेताओं डा. राममनोहर लोहिया, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेयी से लेकर पीलू मोदी तक को मुग्ध भाव से सुना। राष्ट्र प्रेम ऐसा कि चीन युद्ध के बाद गणतंत्र दिवस की परेड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों को आमंत्रित कर उनकी राष्ट्रभक्ति को सराहा। किंतु लोकसभा के प्रथम सत्र में जो कुछ हुआ,वह संवाद की धारा को रोकने वाला है। इससे संसद विमर्श और संवाद का केंद्र नहीं अखाड़ा बन गयी।

राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में जब नेता सदन और प्रधानमंत्री बोल रहे थे, उनके लगभग दो घंटे के भाषण में विपक्षी सदस्यों ने आसमान सिर पर उठा रखा था। लगातार नारेबाजी से उनका भाषण सुनना मुश्किल था। इसके विपरीत जब पहले दिन नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे,तो उनके भाषण में सत्तारूढ़ दल के प्रधानमंत्री सहित तीन मंत्रियों ने हस्तक्षेप किया। नेता प्रतिपक्ष को बताया गया कि वे सदन के पटल पर गलत तथ्य न रखें। यह दोनों स्थितियां भारतीय राजनीति में बढ़ते अतिवाद को स्पष्ट करती हैं, जहां संवाद संभव नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष पर नेता प्रतिपक्ष द्वारा की गई अनावश्यक टीका-टिप्पणी को भी इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए।

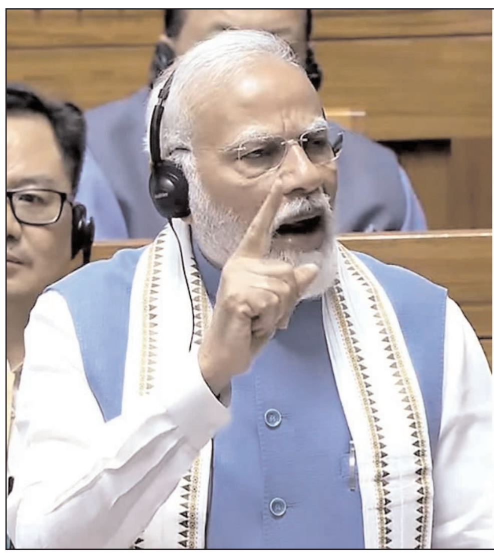
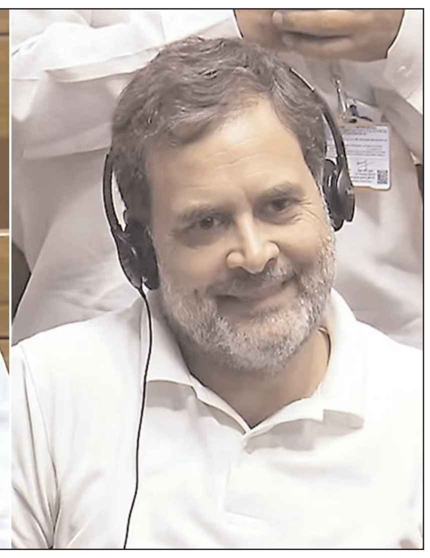

नेता प्रतिपक्ष की गलत बयानी के लिए बाद में सत्तारूढ़ दल के वक्ता अपने भाषणों में उनके भाषण की चीरफाड़ कर सकते थे। किंतु शीर्ष स्तर से लगातार हस्तक्षेप ने नेता प्रतिपक्ष का मनोबल बढ़ा दिया। वे सत्ता पक्ष को उत्तेजित करने में सफल रहे और पहले दिन के मीडिया विमर्श में उन्हें 'सक्रिय नेता प्रतिपक्ष' घोषित कर दिया गया। सेकुलर मीडिया के सेनानियों ने उन्हें 'मैन आफ द मैच' घोषित कर दिया। ज़ाहिर है लंबे समय से गंभीर राजनेता की छवि बनाने के लिए आतुर राहुल गांधी के लिए यह अप्रतिम समय था। किंतु पहले दिन की वाहवाही अगले दिन ही धराशाई हो गई जब प्रधानमंत्री के भाषण में दो घंटे तक नारेबाजी चलती रही। देश की जनता दोनों तरह की अतियों के विरुद्ध है। सदन की गरिमा को बचाने के लिए राजनीतिक दलों को कुछ ज्यादा उदार होना चाहिए।

लोकसभा के प्रथम सत्र से निकली छवियां बता रही हैं कि आगे भी सब कुछ सामान्य नहीं रहने वाला है। किंतु संसद को अखाड़ा, चौराहे की चर्चा के स्तर पर ले जाने के लिए किसे जिम्मेदार माना जाए? यह ठीक बात है कि सदन चलाना सरकार की जिम्मेदारी है, किंतु सदन में सार्थक और प्रभावी विमर्श खड़ा करना विपक्षी दलों की भी जिम्मेदारी है। अब जबकि विपक्ष अपनी बढ़ी संख्या पर मुग्ध है तो क्या उसे संसदीय मर्यादाओं को छोड़कर अराजकता का आचरण करना चाहिए? सच तो यह है कि सदन के इस तरह चलने से सत्तारूढ़ दल का ही लाभ है। बिना बहस और चर्चा के कानून इसीलिए पास होते हैं क्योंकि संसद का ज्यादातर समय हम विवादों में खर्च कर देते हैं। संसदीय परंपरा रही है कि हर नयी सरकार को प्रतिपक्ष कम से कम छः माह का समय देता है। उसके कार्यक्रम और योजनाएं का मूल्यांकन करता है। पहले दिन से ही सदन को अराजकता की ओर ढकेलना उचित नहीं कहा जा सकता। अपनी लंबी संसदीय प्रणाली में भारत ने अनेक संकटों का समाधान किया है। हमारे संसदीय परंपरा का मूलमंत्र है संवाद से संकटों और समस्याओं का समाधान खोजना। संसद इसी का सर्वोच्च मंच है। यह प्रक्रिया नीचे पंचायत तक जाती है। इससे सहभागिता सुनिश्चित होती है, सुशासन का मार्ग प्रशस्त होता है। संसद से नीचे के सदनों विधानसभा सभाओं, विधान परिषदों, नगरपालिका, नगर निगमों और पंचायतों को भी सांसदों का आचरण ही रास्ता दिखाता है। लोकसभा के पहले सत्र का लाइव प्रसारण देखते हुए हर संवेदनशील भारतीय जन को ये दृश्य अच्छे नहीं लगे हैं। संसदीय मर्यादाओं और परंपराओं की रक्षा हमारे सांसद गण नहीं करेंगे तो कौन करेगा? संसदीय राजनीति के शिखर पर बैठे दायित्ववान सांसदों की यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है कि वे अपने आचरण से इस महान संस्था का गौरव बढ़ाने में सहयोगी बनें। नफरतों, कड़वाहटों और संवादहीनता से 'राजनीति' तो संभव है पर 'राष्ट्रनीति' हम न कर पाएंगे।

विपक्ष की रणनीति सरकार को झकझोर करना।

अवधेश कुमार

18 वीं लोक सभा के अध्यक्ष के निर्वाचन के दौरान और उसके बाद का दृश्य निश्चित रूप से देश को एक हद तक राहत देने वाला था। आक्रामक मोर्चाबंदी के बाद विपक्ष ने संसद में मत विभाजन की मांग नहीं की। इस कारण ओम बिरला का दूसरी बार लोकसभाध्यक्ष के रूप में निर्वाचन प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित हुआ। विपक्ष अपने पूर्व के तेवर के अनुरूप यदि के. सुरेश और ओम बिरला के बीच मतदान पर अड़ता तो तस्वीर दूसरी होती। हालांकि संख्या बल के आधार पर ओम बिरला का निर्वाचन निश्चित था, लेकिन विपक्ष भी ताकत दिखाना चाहता था।

वास्तव में 18वीं लोक सभा में शपथ ग्रहण के समय से विपक्ष का तेवर बता रहा है कि वह सरकार को आसानी से काम करने देने की मनन्स्थिति में नहीं है। आईएनडीआईए के सारे सांसद गांधी जी की प्रतिमा के पुराने स्थल से हाथों में संविधान की प्रति लिए जिस तरह नारा लगाते आगे बढ़े वह चिंतित करने वाला दृश्य था। कम से कम सांसदों के शपथ ग्रहण के अवसर को प्रदर्शनों से दूर रखा जा सकता था। सरकार ने अभी ऐसा कोई कदम नहीं उठाया है जिसके लिए विपक्ष को इस तरह विरोध की एकजुटता प्रदर्शित करनी पड़े। विरोध के लिए आगे पूरा अवसर बना हुआ है। संसद में बजट आना है और भी कई विधेयक आने वाले हैं, उन सब पर विपक्ष अपना तेवर दिखा सकता था, दिखाएगा भी। इसी तरह स्वयं विपक्ष का अपना एजेंडा है जो समय-समय पर संसदीय नियमों का लाभ उठाते हुए प्रस्तुत करने की कोशिश करेगा। 18वीं लोक सभा की शुरूआत में विपक्ष ने अपनी रणनीति के तहत ही आक्रामक चरित्र प्रदर्शित किया है। पहले भर्तृहरि मेहताब को प्रोटेम स्पीकर बनाए जाने का विरोध हुआ। कांग्रेस ने यह भी कह दिया कि उनकी पार्टी मेहताब को सहयोग नहीं करेगी। उससे भय पैदा हुआ लेकिन सभी कांग्रेसी सांसदों ने अंततन मेहताब की अध्यक्षता में ही शपथ ग्रहण किया। इसके पूर्व कभी प्रोटेम स्पीकर को लेकर इस तरह विरोध हुआ हो इसके रिकॉर्ड अभी तक सामने नहीं आए हैं। कांग्रेस की मांग थी कि के. सुरेश आठ बार के सांसद हैं। इसलिए उन्हें प्रोटेम स्पीकर बनाना चाहिए। सरकार का कहना था कि के. सुरेश एक बार सांसद नहीं रहे हैं जबकि मेहताब लगातार सात बार सांसद रहे हैं। यह विषय असहमति का है। संविधान में कहीं इसका उल्लेख नहीं है कि प्रोटेम स्पीकर किसे बनाया जाए। उसके बाद से विपक्ष ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि वह लोक सभा चुनाव के दौरान उठाए गए मुद्दों और अपनाए तेवरों से पीछे हट रहा है। आप ओम बिरला के लोकसभाध्यक्ष बनने के बाद दिए गए विपक्ष के नेताओं के भाषणों को देखिए तो काफी कुछ स्पष्ट हो जाएगा। राहुल गांधी ने कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि आपके नेतृत्व में संविधान की रक्षा होगी। आप विपक्ष को पूरी तरह बोलने का अवसर देंगे जिससे आम जन की आवाज संसद में आ सके'। उन्होंने पूर्व लोक सभा में सांसदों के निलंबन पर भी कटाक्ष किया। ठीक इसी तरह सपा के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी लोकसभाध्यक्ष पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, 'आप सत्ता पक्ष को तो मौका देते ही हैं, लेकिन अब उम्मीद है कि विपक्ष को भी अवसर देंगे'। फिर उन्होंने भी भविष्य में सांसदों के निलंबन न होने की उम्मीद जताई। इसी तरह तृणमूल कांग्रेस के सुदीप बंदोपाध्याय एवं अन्य नेताओं के भाषण अध्यक्ष को भी दलीय राजनीति में घसीटने और उनको कठघरे में खड़ा करने वाले ही थे। अध्यक्ष के निर्वाचन के बाद सभी उन्हें धन्यवाद देते हैं, उनकी प्रशंसा करते हैं, और उनकी अध्यक्षता में संसद के संचालन में सहयोग करने का वादा करते हुए शुभकामना भी देते हैं। विपक्ष के भाषण में ये विषय थे किंतु उनकी धारा बिल्कुल अलग थी। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संयुक्त सत्र के अभिभाषण को लेकर भी विपक्ष ने सरकार के साथ सहयोग या सहकार वाली भूमिका का संदेश नहीं दिया। आम आदमी पार्टी द्वारा अभिभाषण का बहिष्कार तथा शिवसेना उद्धव ठाकरे द्वारा समर्थन बताता है कि संसद को लेकर विपक्ष की राजनीति किस दिशा में जाने वाली है। शिवसेना-उद्धव ठाकरे के सांसद संजय राउत में कहा कि बहिष्कार बिल्कुल ठीक है? सरकार तानाशाही भरा रवैया अपनाती है और उसमें राष्ट्रपति का भी योगदान है। राष्ट्रपति को दलीय राजनीति में घसीटना अन्य सभी घटनाक्रम से ज्यादा चिंतित करने वाला है। राष्ट्रपति देश के अभिभावक के तौर पर स्वीकार किए जाते हैं। हमारे देश में राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख हैं पर उन्हें मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार ही भूमिका निभानी पड़ती है। बावजूद विपक्ष राष्ट्रपति पर इस तरह के हमले से बचता रहा है। आपातकाल के दौरान फखरुद्दीन अली अहमद की भूमिका को छोड़ दें तो अभी तक संजय राउत की तरह राष्ट्रपति की आलोचना करने जैसा वक्तव्य सामने नहीं आया था। फखरु द्दीन अली अहमद के विरु द्ध भी विपक्ष को बोलने का मौका नहीं मिला था क्योंकि सभी जेल में डाल दिए गए थे। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद कांग्रेस सहित सभी विपक्षी नेताओं की प्रतिक्रियाएं देखें तो वे सरकार पर पूरी तरह हमलावर हैं। वैसे राष्ट्रपति अभिभाषण द्वारा सरकार ने भी स्पष्ट कर दिया कि वह अपनी पूर्व नीतियों पर ही आगे बढ़ने वाली है यानी विपक्ष का कोई दबाव उसे अपने रास्ते से पीछे हटने या मुड़ने के लिए विवश नहीं कर सकता। वह हमले का जवाब प्रति हमले से देगी। वस्तुतन विपक्ष का आकलन है कि संविधान खत्म करने, आरक्षण खत्म करने और अन्य प्रकार के प्रधानमंत्री मोदी और सरकार विरोधी तेवरों से उन्हें चुनाव में लाभ मिला है। इसे आगे बनाए रखा गया तो वे सरकार को सत्ता से हटाने में सफल होंगे। विपक्ष की रणनीति बिल्कुल साफ है। देश में सरकार के हर समय अस्थिर होने का संदेश देना, इससे लगातार टकराव करते रहना, आरोप लगाते रहना तथा जब भी मौका आए सरकार को झकझोर कर गिराने का प्रयास करना। साफ है कि सरकार भी ईट का जवाब पत्थर से देने का संदेश दे रही है।

उत्तरप्रदेश भाजपा में क्यों नहीं उभर रही है दलित लीडरशिप

अजय कुमार

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश से जो झटका मिला है, उससे बीजेपी आलाकमान अभी तक उबर नहीं पाया है। हार की कई स्तरों पर लगातार समीक्षा हो रही है। बीजेपी प्रत्याशियों की हार और वोट प्रतिशत में गिरावट के लिये फिलहाल कई छोटे-छोटे के अलावा दो-तीन बढ़े कारण नजर आ रहे हैं। इसमें प्रत्याशियों के प्रति जनता की नाराजगी के अलावा ओबीसी और दलित वोट बैंक के खिसकने को सबसे बड़ी वजह समझा जा रहा है। इसी के चलते पार्टी के सजातीय मंत्रियों और पदाधिकारियों की लगाम कसने के साथ अब इस वोट बैंक को वापस भाजपा की तरफ लाने की जिम्मेदारी भी सजातीय नेताओं को सौंपी गई है। भाजपा आलाकमान दलित मंत्रियों के साथ ही अनुसूचित मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहा है, लेकिन कुछ पहलू ऐसे भी हैं जिसकी ओर अभी तक ना तो बीजेपी आलकमान और ना ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ध्यान दिया है। इसमें सबसे बड़ा कारण पार्टी और सरकार के स्तर पर कार्यकर्ताओं की अनदेखी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पूरी सरकार को अपने पास केन्द्रित कर लेना है। स्थिति यह हो गई थी कि यूपी में योगी ही सब कुछ हो गये थे, यहां तक की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक यूपी प्लस योगी बहुत हैं उपयोगी जैसे जुमले बोलने लगे थे। स्थिति यह हो गई थी कि जो वोटर अपने जनप्रतिनिधि से सीधे सम्पर्क में रहता है उसी जनप्रतिनिधि के अधिकारों को सीज कर दिया गया था,कई मौकों पर वह (विधायक/सांसद) अपने वोटरों को चाह कर भी इंसाफ नहीं दिला पाते थे, क्योंकि उनकी न तो सरकार में सुनवाई हो रही थी, न ही अधिकारी अथवा पुलिस उनकी सुनती थी। क्योंकि ऊपर से आदेश पास हुआ था कि कोई बीजेपी का नेता

किसी सरकारी अधिकारी अथवा थाना-चौकी पर नहीं जायेगा। ऐसे में कोई नेता या जनप्रतिनिधि थाने-चौकी पर जाने की हिमाकत कर लेता था तो उसको बेइज्जत होना पड़ता था। नतीजा यह होता जनप्रतिनिधि अपने ही मतदाताओं की नजरों में उतर जाता। वह वोटरों से कटने लगता, जिसकी परिणिति लोकसभा चुनाव में हार के रूप में बीजेपी को चुकानी पड़ी। अब जब बीजेपी के नेताओं कार्यकर्ताओं की सुनी जा रही है तो वह अपना दर्द बयां कर रहे हैं। उनके द्वारा दलितों और ओबीसी समाज में भाजपा को लेकर नाराजगी की वजहें गिनाई जा रही हैं। सूत्रों की माने तो कई मंत्रीं और नेता बेरोजगारी के अलावा पार्टी में जातीय कार्यकर्ताओं को तवज्जों न मिलना हार का एक बड़ा कारण बता रहे हैं।कहा यह भी जा रहा है कि उत्तर प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष किसी दलित को बनाया जाये, जिससे दलित वोटरों में अच्छा मैसेज जायेगा। कुछ लोगों ने तो यह भी आरोप लगाये कि दलित अधिकारियों को थानेदारों और तहसीलदारों की नौकरियां तो मिलती हैं लेकिन उन्हें पोस्टिंग में दरकिनार रखा जाता है। पार्टी नेताओं ने आउटसोर्सिंग और कॉन्ट्रेक्ट की नौकरी में दलित-ओबीसी समाज के लिए आरक्षण नहीं होने को राज्य में पार्टी की हार की बड़ी वजह बताया है। सरकार और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से नाराज नेताओं ने कहा कि यह चिंतनीय है कि आखिर सरकार के बेहतर काम के बावजूद लोकसभा चुनाव में आश्चर्यजनक तरीके से पहली बार बसपा से कट कर दलित वोट सपा और कांग्रेस की ओर चला गया, ऐसा आखिर क्यों हुआ ? इसका कारण बताते हुए नाराज नेताओं ने दलित नेतृत्व को आगे न बढ़ाने की बात रखी। खैर, बीजेपी आलाकमान ने एहतियात के तौर पर जो कदम उठाये हैं उसमें लोकसभा चुनाव के परिणाम से सीख लेते हुए भाजपा ने दलितों में नए सिरे से पैठ बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए सरकार व संगठन में दलितों की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। यूपी भाजपा का नया अध्यक्ष भी कोई दलित चेहरा हो सकता है। इस पर भी विचार हो रहा है कि उप्र की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव में सिफारिश की बजाय जीतने वाले उम्मीदवारों को ही चुनावी मैदान में उतारा जाए। उप चुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। साथ ही तय किया गया कि टिकट वितरण से पहले स्थानीय नेताओं की राय जरूर ली जाएगी। इसके साथ ही हिदायत दी गई है कि सभी भाजपा नेताओं को अहंकार से दूरी बना कर चलना होगा। सभी को पद नहीं दिए जा सकते हैं, लेकिन समर्पित होकर चलने से समय आने पर पार्टी आगे आने का मौका भी देती है। बहरहाल, हार के कारणों का पता लगाने की कोशिशों के साथ पार्टी आलाकमान ने दलित व ओबीसी नेताओं को फिलहाल दस विधानसभा के लिए होने वाले उप चुनाव पर फोकस करने को कहा है। सभी लोग मिलकर सभी 10 सीटों पर चुनाव जीतने की कोशिश में जुटें। नेताओं को आपसी मतभेद भूलकर हर सीट जीतने की रणनीति बनाकर काम करना होगा। इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष लोकसभा चुनाव के दौरान प्रदेश भाजपा की मीडिया टीम की भूमिका की भी समीक्षा कर रहे हैं। संतोष ने मीडिया के पदाधिकारियों को अपने तेवर और कलेवर को और अधिक दुरूस्त करने के साथ ही सोशल मीडिया पर सरकार और संगठन का पक्ष आक्रमकता से रखने के भी निर्देश दिए हैं। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव में हार की वजहों को भी जाना और उन कमियों के बारे में भी पूछा, जिनकी वजह से पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। संतोष ने लोकसभा चुनाव में विपक्ष द्वारा गलत तथ्यों के आधार पर दलितों और ओबीसी के बीच फैलाए गए बातों का असर कम करने के लिए अभी से जुटने के भी निर्देश दिए।

फाइबर से भरपूर होती हैं ये 6 सब्जियां

शरीर को हेल्दी और फिट बनाए रखने के लिए सभी तरह के पोषक तत्वों से युक्त फूड्स का सेवन करना चाहिए। शरीर में फाइबर की कमी के कारण भी आपको कई गंभीर परेशानियां हो सकती हैं। फाइबर पेट और पाचन तंत्र को हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है। डाइट में फाइबर की मात्रा कम होने पर आपको मोटापा, पेट से जुड़ी परेशानियां समेत कई गंभीर समस्याओं का खतरा रहता है। शरीर में फाइबर पेट के अंदर मौजूद गुड बैक्टीरिया को पोषण देने से लेकर आंतों को साफ रखने और मेटाबॉलिज?म को बढ़ाने में मदद करता है। फाइबर शरीर में शुगर अवशोषण में भी मदद करता है। आपको डाइट में फाइबर की पर्याप्त मात्रा वाले फूड्स को शामिल करना चाहिए। आइये इस लेख में विस्तार से जानते हैं हाई फाइबर सब्जियों के बारे में।

फाइबर से भरपूर होती हैं ये 6 सब्जिया

डाइट में फाइबर की मात्रा वाले फूड्स को शामिल करने से आपको कई बीमारियों के खतरे को कम करने में भी मदद मिलती है। शरीर में फाइबर की कमी के कारण आपको हार्ट ब्लॉकेज, फैट बढ़ना, कोलेस्ट्रॉल बढ़ना और मोटापा की समस्या हो सकती है। सब्जियों में भी फाइबर की पर्याप्त मात्रा होती है। डाइट में आपको इन हाई फाइबर सब्जियों को जरूर शामिल करना चाहिए-

1. गाजर

गाजर सेहत के लिए बहुत फायदेमंद सब्जियों में से एक है। गाजर खाने से शरीर को कई विटामिन और मिनरल्स मिलते हैं। गाजर में फाइबर की भी पर्याप्त मात्रा होती है। लगभग 100 ग्राम गाजर में लगभग 5 से 7 ग्राम टोटल फाइबर पाया जाता है। इसका सेवन करने से आपके पाचन तंत्र को फायदा मिलता है।

2. ब्रोकली

ब्रोकली में भी फाइबर की पर्याप्त मात्रा होती है। इसका सेवन करने से आंत और पेट को बहुत फायदा मिलता है। पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए भी इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है। लगभग 100 ग्राम ब्रोकली में 2.6 ग्राम डाइटरी फाइबर पाया जाता है।

3. शकरकंद-

शकरकंद में फाइबर और रफेज सबसे ज्यादा पाया जाता है। पाचन तंत्र और आंतों को हेल्दी बनाए रखने के लिए शकरकंद का सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है। पेट के कामकाज को बेहतर बनाने और कब्ज व बवासीर जैसी समस्याओं में इसका सेवन बहुत फायदेमंद होता है। 100 ग्राम शकरकंद में 3 से 4 ग्राम डाइटरी फाइबर पाया जाता है।

4. हरी मटर

हरी मटर में भी फाइबर की पर्याप्त मात्रा पायी जाती है। इसमें फाइबर के अलावा आयरन, विटामिन और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी भरपूर मात्रा में होते हैं। 100 ग्राम हरी मटर में लगभग 5 ग्राम डाइटरी फाइबर पाया जाता है।

5. भिंडी

भिंडी भी पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसकी सब्जी भला किसको पसंद नहीं होती है। इसका सेवन करने से आपको पाचन तंत्र और पेट से जुड़ी परेशानियों में फायदा भी मिलता है। 100 ग्राम भिंडी में 2 ग्राम डाइटरी फाइबर पाया जाता है।

6. जिमीकंद

जिमीकंद या सूरन भी सेहत के लिए फायदेमंद सब्जियों में से एक है। इसका सेवन करने से बाउल मूवमेंट को ठीक रखने में फायदा मिलता है। कब्ज और बवासीर की समस्या में भी जिमीकंद खाने से फायदा मिलता है। 100 ग्राम जिमीकंद में लगभग 4.1 ग्राम फाइबर पाया जाता है।

दरअसल फाइबर एक तरह का कार्बोहाइड्रेट ही होता है जो पेट में आसानी से नहीं पचता है। ये कार्ब्स छोटे-छोटे कणों में टूट कर शुगर के रूप में परिवर्तित हो जाते हैं।

शरीर में फाइबर की कमी होने पर शरीर में कई लक्षण दिखाई देते हैं। शरीर में फाइबर की मात्रा कम होने से बचाने के लिए डाइट में ऊपर बताई गयी सब्जियों को शामिल करना चाहिए।

क्या शिशु को लेकर हवाई यात्रा करना सुरक्षित है? डॉक्टर से जानें बेबी के लिए एयर ट्रेवल टिप्स

आमतौर पर ट्रैवलिंग के लिए हवाई यात्रा सुविधाजनक माने जाते हैं। इसमें समय कम लगता है और थकान भी कम होती है। यहां तक कि भीड़ होने की गुंजाइश भी नहीं रहती है। तो क्या शिशुओं के साथ भी हवाई यात्रा किया जाना सुरक्षित होता है? वैसे तो ज्यादातर विशेषज्ञ हवाई यात्रा को सुरक्षित मानते हैं। इसमें कोई हर्ज नहीं है। इसके बावजूद, फ्लाइट से यात्रा करने के दौरान पेरेंट्स को विशेष बातों को ध्यान रखना चाहिए। इस बारे में हमने मेडिकेयर हॉस्पिटल, नवी मुंबाई के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. नरजोहन मेश्राम से बात की।

शिशु की उम्र का रखें ख्याल

मेयो क्लिनिक के अनुसार, ÷शिशु के जन्म के तुरंत बाद फ्लाईट से जर्नी नहीं की जानी चाहिए। बच्चों की इम्यूनिटी बहुत कमजोर होती है, फ्लाईट में जर्नी के दौरान उन्हें इंफेक्शन हो सकता है और कई तरह की बीमारियां भी हो सकती हैं।÷ विशेषज्ञ कहते हैं कि एक साल से छोटे बच्चे को लेकर ट्रैवल करना सही नहीं है। उन्हें कोविड जैसी घातक बीमारी का रिस्क काफी ज्यादा होता है। अगर आपको मजबूरन बच्चे के साथ ट्रैवल करना ही पड़े, तो साथ में किसी अनुभवी व्यक्ति को ले जाएं ताकि ट्रैवल के दौरान वे बच्चे की पूरी केयर कर सकें। इसके अलावा, बच्चे को वैक्सीनेशन जरूर करवा लें और बच्चे को मास्क जरूर पहनाएं। सफर के दौरान भी यहां-वहां हाथ लगाने से बचें।

शिशु के कान पर पड़ सकता है असर

एयर ट्रैवल के दौरान जब फ्लाईट टेक ऑफ करती है, तो अक्सर लोगों को कान में दर्द होने लगता है। ऐसा छोटे बच्चे के साथ भी हो सकता है। यह स्थिति बच्चे के लिए काफी कष्टकारी होती है। इसलिए, टेक ऑफ के दौरान मां को चाहिए कि वह बच्चे का ध्यान भटकाने की कोशिश करें। इस दौरान, आप चाहें तो ब्रेस्टफीड करवा सकती हैं या फिर बोतल में दूध पिला सकती हैं। अगर आपके बच्चे की दो सप्ताह के अंदर कान की सर्जरी हुई हो, तो हवाई यात्रा करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

शिशु की सांस की गति का ध्यान रखें

वैसे तो स्वस्थ शिशु हवाई यात्रा कर सकते हैं। उन्हें हवाई सफर के दौरान कोई विशेष समस्या भी नहीं होगी। हां, हवा में एयर प्रेशर का स्तर जमीन से अलग होता है, इसलिए बच्चे को सांस लेने में थोड़ी-बहुत दिक्कत आ सकती है। लेकिन, अगर आपका बच्चा प्रीमेच्योर डिलीवरी से जन्मा है, उसे हार्ट की कोई समस्या है या अपर और लोअर रेस्पीरेटरी के कुछ लक्षण दिख रहे हैं, तो बेहतर है कि आप उसे फ्लाई से कहीं ले जाने से पहले उसके हेल्थ एक्सपर्ट से जरूर बात कर लें।

शिशु के कंफर्ट का रखें ध्यान

यूं तो शिशु फ्लाईट में ट्रैवल के दैरान अपनी मां या पिता की गोद में रहता है। लेकिन, स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चे को फ्लाईट में प्रॉपर सीट देनी चाहिए ताकि वे आराम से कंफर्टेबल होकर बैठ सके या उसे लेटाया जा सके। इस तरह, उसके ट्रैवल करना आसान हो जाएगा और यात्रा के दौरान उसे कोई परेशानी भी नहीं होगी।

क्या मिलेट्स थायराइड

रोगियों के लिए फायदेमंद होते हैं? एक्सपर्ट से जानें

हमेशा यह सलाह दी जाती है कि हमें अपनी डाइट में मिलेट्स जरूर शामिल करने चाहिए। क्योंकि इनमें शरीर के लिए कई जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इनका सेवन करने से सेहत को कई लाभ भी मिलते हैं। बहुत से लोग अक्सर यह भी पूछते हैं कि आखिर मिलेट होता क्या है? तो आपको बता दें कि मिलेट अनाज को कहते हैं। लेकिन मिलेट कोई एक अनाज नहीं है, इसमें अनाज की कई किसमें शामिल होती हैं जैसे बाजरा, ज्वार, रागी, झंगोरा, बैरी, कांगनी, कोदरा (कोदो बाजरा) आदि। जिन लोगों को गेंहू या ग्लूटेन से एलर्जी होती है, उनके लिए मिलेट्स बहुत अच्छा विकल्प होते हैं। कुछ मामलों में यह गेंहू से अधिक स्वास्थ्यवर्धक भी होते हैं। इनमें प्रोटीन, फाइबर के साथ ही कई विटामिन और मिनरल्स अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं। दिल को स्वस्थ रखने से लेकर, डायबिटीज के प्रबंधन और बचाव, वजन प्रबंधन और आंतों की सूजन कम करने तक, डाइट में मिलेट्स शामिल करने के कई स्वास्थ्य लाभ हैं। लेकिन जिन लोगों को थायराइड की समस्या रहती है, वे अक्सर यह सवाल पूछते हैं कि मिलेट्स उनके लिए फायदेमंद होते हैं या नुकसानदायक? और उन्हें इनका सेवन करना चाहिए या नहीं? थायराइड रोगियों के लिए मिलेट्स का सेवन कितना सेफ है, इस विषय पर न्यूट्रिशनिस्ट जूही कपूर ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में विस्तार से बताया है। तो चलिए जानते हैं...

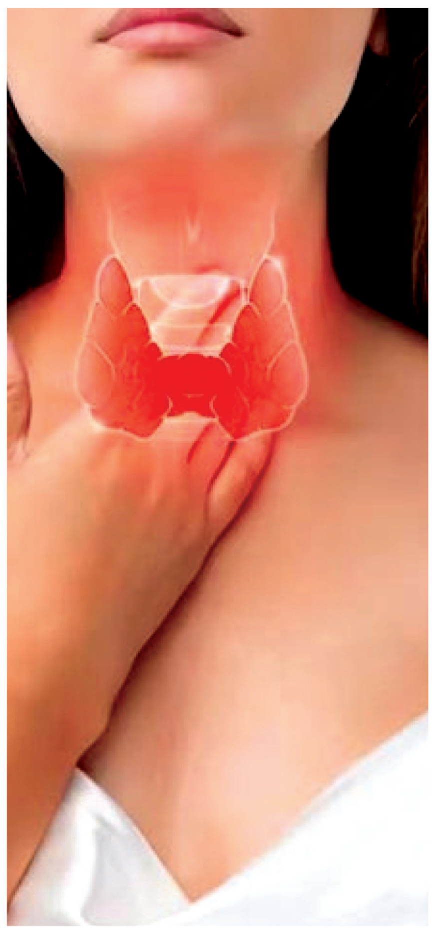

थायराइड रोगियों को मिलेट्स खाने चाहिए या नहीं-

न्यूट्रिशनिस्ट जूही कपूर के अनुसार, ÷मिलेट्स छोटे बीज वाली घासों का एक समूह है, जिसे अक्सर दुनिया के कई हिस्सों में मुख्य भोजन के रूप में उपयोग किया जाता है। मिलेट्स की कुछ किस्मों में गोइट्रोजन नामक यौगिक होते हैं। गोइट्रोजन ऐसे पदार्थ हैं जो थायराइड हार्मोन के उत्पादन में हस्तक्षेप कर सकते हैं, जिससे गोइटर (थायराइड ग्रंथि का बढ़ना) और हाइपोथायरायडिज्म (एक निष्क्रिय थायरॉयड ग्रंथि) हो सकता है।÷

हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सभी प्रकार के मिलेट में गोइट्रोजन नहीं होते हैं। यहां तक कि यह भी जरूरी नहीं कि जिनमें गोइट्रोजन होते हैं, उन्हें अगर संतुलित आहार में शामिल किया जाए तो इससे थायराइड फंक्शन प्रभावित होगा। हालांकि, बाजरे को अच्छी तरह भिगोने और पकाने से गोइट्रोजन को निष्क्रिय करने में मदद मिलेगी। गोइट्रोजन कई अन्य खाद्य पदार्थों में भी पाए जाते हैं, जैसे क्रूसिफेरस सब्जियां (ब्रोकोली, फूलगोभी, केल), सोयाबीन, और कुछ फल और मेवे।

एक्सपर्ट क्या सलाह देते हैं?

संतुलित आहार के एक हिस्से के रूप में मिलेट्स का सीमित मात्रा में किया जा सकता है। सीमित मात्रा में सेवन करने से यह थायराइड फंक्शन को प्रभावित नहीं करते हैं। अगर कोई व्यक्ति हाइपो या हाइपरथायराइड की स्थिति से पीड़ित है, वह भी अच्छी तरह से पकाए गए मिलेट्स का सेवन कर सकता है।

हरियाली तीज पर बनाएं ट्रेडिशनल डिशेज, खाकर तारीफ करने पर मजबूर हो जाएंगे लोग

सावन के बाद बहुत सारे त्योहार शुरू हो जाते हैं। सावन का ऐसा ही एक खास त्योहार हरियाली तीज है। यह त्योहार सुहागिन महिलाओं के बीच काफी ज्यादा लोकप्रिय है। हरियाली तीज के अवसर पर झूले लगते हैं और महिलाएं नव-नवेली दुल्हन की तरह सजकर व्रत करती हैं। कुंवारी लड़कियां भी इस व्रत को करती हैं। हरियाली तीज के मौके पर नए-नए पकवान बनाए जाते हैं। व्रत का पारण करने के बाद इन पकवानों का लुत्फ उठाया उठाया जाता है। आज हम इस आर्टिकल के जरिए आपको ऐसी रेसिपीज के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप हरियाली तीज के मौके पर बना सकते हैं। आइए जानते हैं इन पकवानों की रेसिपी के बारे में...

खीरे के पकौड़े

मानसून और हरियाली तीज के मौके पर आप पकौड़े बना सकती हैं। लेकिन इस बार आप आलू और प्याज के पकौड़े की जगह खीरे के पकौड़े ट्राई करें। इन पकौड़ों को चटपटी चटनी के साथ खाने से स्वाद दोगुना हो जाएगा।

सामग्री

खीरा- 3-4
बेसन- 1.5 कप
दूध- 1/4 कप
चावल का आटा- 1 बड़ा चम्मच
जीरा पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
हरी मिर्च- 2
हल्दी पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
हींग- 1/4 छोटा चम्मच
नमक स्वादानुसार
चटनी बनाने के लिए सामग्री
टमाटर- 1
प्याज- 1
अदरक और लहसुन- 1 छोटा चम्मच
हरी मिर्च- 1
चीनी- 1 छोटा चम्मच
सोया सॉस- 1 छोटा चम्मच
पुदीना की पत्तियां- 3-4
नींबू का रस- 1 बड़ा चम्मच
ऐसे बनाएं खीरे के पकौड़े
खीरे को अच्छे से धोकर उन्हें छील लें।
फिर इसे ग्रेट कर अच्छे से निचोड़कर एक अलग प्लेट में रखें।

दांतों में फंसी चीज को लंबे समय तक न निकालने से क्या होता है? एक्सपर्ट से जानें

वैसे, तो दांतों के बीच कुछ भी फंसे हमें असहजता होने लगती है। हम उसे एक चीज को निकालने की हर संभव कोशिश करते हैं। कभी इसके लिए टूथ पिक का यूज करते हैं, तो कभी नाखून की मदद से उसे निकालकर ही दम लेते हैं। हालांकि, कई बार ऐसा भी होता है कि दांतों के बीच ऐसी जगह खाने का कोई कण फंस जाता है, जो आसानी से नहीं निकलता। बार-बार कोशिश करके भी जब हार जाते हैं, तो हम उसे वहीं रहने देते हैं और सोचते हैं ब्रश करने पर अपने आप निकल जाएगा। यह सोचकर उस खाने के कण को वहीं छोड़ देते हैं। क्या आप जानते हैं कि जब लंबे समय तक दांतों के बीच कोई चीज फंस जाती है, तो इससे दांतों में कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं? आइए जानते हैं किस तरह की हैं, वो समस्याएं और उनसे कैसे बचें। इस संबंध में हमने ऋद्बह्मह्व ष्ठद्दठ्ठद्धह्वद्य ष्टद्मद्बठ्ठद्बष्ट की डॉ. अर्चिस मुसले से बात की।

असहजता हो सकती है

अगर किसी कारण दांतों के बीच में फंसा खाने का कण काफी असहजता पैदा कर सकता है। खासकर, अगर वह चौबीस घंटे से फंसा हुआ हो, तो यह काफी समस्या का खड़ी करता है। अगर टूथपिक से कोशिश करने के बाद भी न निकले, तो आप फ्लॉस का यूज कर सकते हैं। वैसे, खाना खाने के बाद नमक पानी से कुल्ला करने से भी दांतों के बीच फंस कण निकल स कते हैं।

मसूड़ों में सूजन होना

हालांकि, ऐसा बहुत कम होता है, लेकिन यह तय है कि अगर आप लंबे समय तक दांतों के बीच फंसे कण को इग्नोर करते रहेंगे, तो वहां मसूड़ों में सूजन हो सकती है। सूजन के कारण आपको दर्द का सामना भी करना पड़ सकता है। आपको बता दें कि मसूड़ों में आई सूजन को नजरंदाज किया जाना सही नहीं है।

मुंह में संक्रमण हो सकता है

मुंह में अगर खाने की कोई चीज फंस गई और लंबे समय से नहीं निकल रही है, जिस कारण मसूड़ों में दर्द और सूजन की समस्या हो गई है, तो इससे मुंह में संक्रमण भी हो सकता है। ऐसा आपके साथ न हो, इसके लिए जरूरी है कि आप डेंटिस्ट के पास जाएं और दांतों के बीच फंसे कण को निकलवा लें। खैर, यह बात भी आप जानते ही होंगे कि अगर मुंह में संक्रमण हो जाए, तो मुंह से बदबू, दांतों में दर्द और कई तरह की समस्याएं खड़ी हो सकती हैं।

दांतों में पस जमना

संभवतः आपको लगे कि भला दांतों में फंसे एक छोटे से खाने के कण से क्या दांतों में पस भी बन सकती है? विशेषज्ञों की मानें, तो अगर आपके मुंह में कोई कण काफी गहराई में फंस गया है और लंबे समय तक उसे न निकाला गया, तो दांतों में पस बनने की समस्या हो सकती है। अगर सही समय पर ट्रीटमेंट न किया जाए, तो पस की वजह से हड्डियों तक में दर्द पहुंच सकता है। इस स्थिति में मरीज को तीव्र दर्द होगा, जो कि जबड़े, कान और गर्दन तक फैल सकता है। यहां तक कि बुखार आ सकता है और दांत ओवर सेंसिटिविटी हो सकते हैं।

लगातार दर्द बने रहना

कई बार दांतों में फंसे कण के कारण सूजन या पस बनने जैसी समस्या नहीं होती है। हालांकि, दांतों के बीच जो कण फंसा है, उसके कारण दर्द बहुत होता है। ब्रश, फ्लॉस और कुल्ला करते हुए भी दांतों में अजीब से चुभन होती रहती है, जिससे दर्द का अहसास बना रहता है। इस तरह की तकलीफ से छुटकारा पाने के लिए आवश्यक है कि दांतों में फंसे कण को जल्द से जल्द बाहर निकाला जाए।

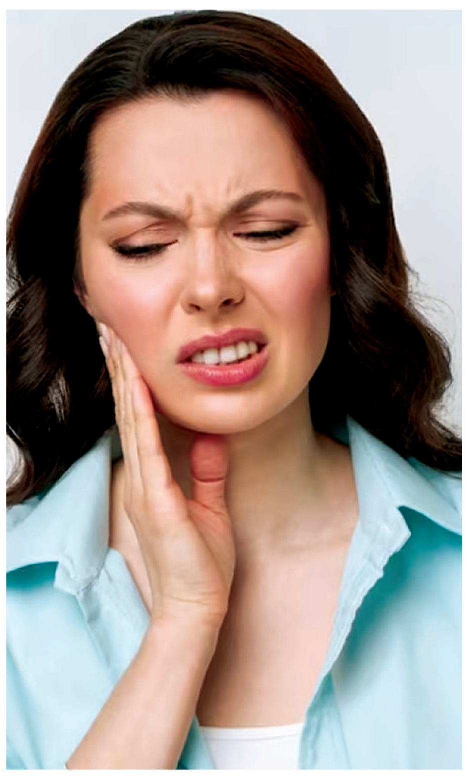

संक्षिप्त समाचार

''एक वृक्ष माँ के नाम'' एवं ''जल शक्ति से नारी शक्ति'' थीम पर 12 जुलाई को आंगनबाड़ियों में रोपे जाएंगे पौधे

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। महिला एवं बाल विकास विभाग के जारी विज्ञप्ति विभाग के अंतर्गत ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ'' को प्रोत्साहित किए जाने के लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों में दिनांक 12 जुलाई 2024 को ''जल शक्ति से नारी शक्ति'' अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत ग्राम की महिला समूहों, महिला मंडल, ग्राम स्तर की सभी महिलाओं को एकत्र कर पानी की महत्ता जैसे-स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, पानी का संचयन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग तथा खराब पानी का अन्य उपयोग इत्यादि विषय पर जानकारी देकर प्रत्येक घरो में पानी के संचयन के लिए उपयुक्त व्यवहार परिवर्तन हेतु प्रेरित किया जायेगा। इस प्रकार प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र में 12 जुलाई 2024 को पांच फलदार वृक्ष का रोपण भी किया जायेगा और आंगनबाड़ियों के वृक्षारोपण में समुदाय एवं पालकों के सहयोग ''एक वृक्ष माँ के नाम'' शीर्षक से एक पौधे का रोपण कार्यक्रम होगा। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों एवं जनसमुदाय से भी आवश्यक सहयोग की अपील भी की गई है।

नगर पंचायत पाटन में वार्ड परिसीमन का कार्य शुरू, सीमा निर्धारण कर प्रस्ताव तैयार

कार्यालय में देख सकते है सूची, आपत्ति या सुझाव के लिए एक सप्ताह का है समय

पाटन (समय दर्शन)। नगरीय निकाय का चुनाव इसी साल के अंतिम माह में होने की संभावना जताई जा रही है। वही नगरीय निकाय विभाग द्वारा इसके लिए तैयारी भी शुरू कर दिया गया है। नगर पंचायत पाटन द्वारा वार्डो का परिसीमन तय कर प्रस्ताव तैयार किया जा चुका हैं इस प्रस्ताव को नगर के लोग कार्यालय परिसर के सूचना पटल पर देख सकते है।साथ ही अगर किसी को इस पर आपत्ति है या फिर कोई सुझाव देना चाहते है तो वे एक सप्ताह के भीतर अपना आपत्ति या सुझाव साझा कर सकते है। जानकारी के मुताबिक पाटन नगर पंचायत क्षेत्र को 15 वार्डो में विभाजित करते हुए, प्रत्येक वार्ड की सीमा निर्धारण संबंधी प्रस्ताव तैयार किये गये है, जो पाटन नगर पंचायत कार्यालय में कार्यालय समय में निरीक्षण के लिए उपलब्ध है।उक्त प्रस्तावों के संबंध में कोई आपत्ति या सुझाव इस सूचना की तारीख से सात दिन के भीतर लिखित रूप मे तहसीलदार पाटन को प्रस्तुत किए जा सकेंगें।

सोनी इंडिया ने प्रो ब्रेविया लाइन अप में डीप ब्लैक नॉन-ग्लेयर कोटिंग के साथ शामिल किया बीज़ेड53एल 98 (248.92 सेमी) डिस्प्ले

रायपुर। सोनी इंडिया के पेशेवर ब्रेविया डिस्प्ले श्रृंखला में एक नया 98 (248.92 सेमी) विकल्प, बीज़ेड53एल जुड़ रहा है। कॉर्पोरेट, शिक्षा और खुदरा एप्लीकेशन के लिए आदर्श, इस डिस्प्ले में सोनी की नवोन्मेषी डीप ब्लैक नॉन-ग्लेयर कोटिंग टेक्नोलॉजी के साथ-साथ अतिरिक्त फीचर भी शामिल हैं। 98(248.92 सेमी) मॉडल सोनी के मौजूदा डीप ब्लैक नॉन-ग्लेयर विकल्पों का पूरक है, जिसमें 55 (139.7 सेमी), 65 (165.1 सेमी), 75 (190.5 सेमी), और 85 (215.9 सेमी) विकल्प शामिल हैं। सोनी की अनूठी डीप ब्लैक नॉन-ग्लेयर कोटिंग गहरे काले रंग, हाई कंट्रास्ट और सटीक इमेज क्वालिटी को बनाए रखते हुए लो रिफ्लेक्शन प्रदान करती है। यह चुनौतीपूर्ण, हाई एम्बिएंट लाइट या डायरेक्ट लाइटिंग एनवायरनमेंट में प्रदर्शित होने वाले डिजिटल साइनेज से जुड़ी सामान्य परेशानियों को दूर करती है। यह टेक्नोलॉजी मिनिमल ग्लेयर और लो रिफ्लेक्शन को जोड़ती है, जिससे कंटेंट को बेहतर बनता है। सोनी के प्रोफेशनल ब्रेविया डिस्प्ले उत्पादों के लिए सामान्य रूप से उपयोगिता, इंस्टालेशन में आसानी, पिक्चर क्वालिटी और सस्टेनेबिलिटी के लिए निर्मित, बीज़ेड53एल बेहतर पिक्चर क्वालिटी प्रदान करेगा जो लोगों को आकर्षित और बेहतरीन अनुभव प्रदान करेगा। इस मॉडल में 4के 120 एचज़ेड पैनल होगा, जो हाई रिफ्रेश रेट प्रदान करेगा और गति को सुचारू रूप से प्रस्तुत करने में मदद करेगा। इसमें एक्सआर ट्राईल्यूमिनसटीएम प्रो इफेक्ट शामिल होगा, जो रंगों की व्यापक, अधिक सटीक रेंज की पेशकश करता है और साथ ही इसें हाई ब्राइटनेस का समर्थन करने के लिए 780 निट्स भी है। ब्रेविया की बेहतरीन पिक्चर क्वालिटी के लिए इसमें फुल ऐरे लोकल डिमिंग [एफएएलडी] बैकलाइट भी है। इसके अलावा, बीज़ेड53एल शक्तिशाली 24/7 ऑपरेशन और कस्टमाइज़्ड सेटिंग्स को सरल बनाने के लिए प्रो मोड का समर्थन करेगा। उपयोगकर्ता के अनुकूल इस बीज़ेड53एल मॉडल को इनस्टॉल करना भी आसान है, जिसमें पोर्ट्रेट और टिल्ट कन्फिगरेशन के विकल्प, आसानी से लाने-ले जाने के लिए हैंडल, विवेकपूर्ण लोगो पोज़ीशन और डिस्प्ले के कई टर्मिनलों तक सुविधाजनक पहुंच शामिल है।

विधायक ने किया ''पढ़े दंतेवाड़ा लिखे दंतेवाड़ा'' योजना की शुरुआत

पहली से आठवीं तक के छात्रों को भाषा और गणित विषयों में निपुण करने के लिए उपचारात्मक शिक्षा

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार विश्वरंजन के मार्गदर्शन में ''पुनः पढ़े दंतेवाड़ा लिखे दंतेवाड़ा'' योजना की शुरुआत मुख्यालय के इंडोर स्टेडियम में स्थानीय विधायक चैतराम अटामी के द्वारा किया गया है। उल्लेखनीय है कि नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा देश के 115 आकांक्षी जिलों में शिक्षा व्यवस्था को सुधार करने के लिए विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है। ''पढ़े दंतेवाड़ा लिखे दंतेवाडा'' कार्यक्रम के संचालन से, जिले में, शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त होगा। इस कार्यक्रम में ''बचपन बनाओ, विनोबा प्रथम फाउंडेशन एवं अन्य स्वयं सेवकों का भी मदद लिया जाएगा। इसके जरिये बच्चों में कक्षा अनुरूप दक्षता हासिल हो पायेगी,

जिससे कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चे पाठ्यपुस्तक को बेहतर ढंग से समझ बनाते हुए, अध्ययन कर पाएंगे।

साथ ही बच्चों के लिए उपचारात्मक शिक्षा की भी व्यवस्था किया जाएगा, जिससे जो बच्चे एफएलएन के तहत भाषा एवं गणित में लक्ष्य प्राप्ति कर सकेंगें।''पढ़े दंतेवाड़ा लिखे दंतेवाडा'' कार्यक्रम में भाषा एवं गणित में क्रमशः व्र अक्षर, शब्द, अनुच्छेद कहानी तथा अंक, संख्या, जोड़ एवं घटाओ को बेहतर ढंग से परिभाषित किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक विद्यालय में बेसलाइन, मिडलाइन एवं एण्डलाइन आंकलन आयोजित होगें। और बेसलाइन टेस्ट का आयोजन माह जुलाई में लिया जाएगा, जिसका आंकलन दूसरे संकुल के शिक्षकों के द्वारा करवाने के निर्देश दिये गये है। साथ ही इस आधार पर जिन बच्चों को उपचारात्मक शिक्षा की आवश्यकता होगी, उन्हें समूह में विभाजित करते हुए उपचारात्मक शिक्षा प्रदान किया जाएगा और आवश्यकता होने पर, शिक्षकों को भी समय-समय पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, इस हेतु प्रत्येक विकासखण्ड से दो रिसोर्स पर्सन के रूप में नामित होगें। इसके लिए डाइट का भी सहयोग लिया जावेगा।

एसआई दीनानाथ वैष्णव और कलिंगा सोशल वेलफेयर के अध्यक्ष आर के दुर्गा ने गुमशुदा लड़की को अपने परिजनों से मिलवाया.

इनकी इस नेक कार्य के लिए नगर में हो रही प्रशंसा

किरंदुल (समय दर्शन)। किरंदुल पुलिस थाना के एस आई दीनानाथ वैष्णव और किरंदुल स्थित एनजीओ कलिंगा सोशल वेलफेयर के अध्यक्ष आर के दुर्गा ने दिया मानवता का परिचय। दो दिन पूर्व बचेली कि निवासी राधा नाम कि एक लड़की जिसकी मानसिक स्थिति कमजोर हैं वह रविवार कि घोर रात्रि करीब 12 :00 से 1:00 बजे के बीच गीदम नाका चौक के पास अकेली मिली जिसे गीदम पुलिस ने मानवता का परिचय देते हुये सखी सेंटर जगदलपुर सकुशल पहुंचाया.इसकी सूचना किरंदुल एस आई दीनानाथ वैष्णव ने कलिंगा सोशल वेलफेयर के अध्यक्ष आर के दुर्गा को दिया और दुर्गा ने उस लड़की कि दीदी जो कि किरंदुल में रहती हैं उससे तत्काल संपर्क कर वस्तु स्थिति कि जानकारी दिया और परिजनों ने भी बिना देरी किये उस लड़की को लेने जगदलपुर सखी सेंटर पहुँचकर सकुशल बीती मंगलवार सुबह अपने घर को वापस लाया.इस नेक कार्य के लिये उस लड़की के परिजनों ने एसआई वैष्णव और कलिंगा सोशल वेलफेयर के अध्यक्ष आर के दुर्गा का धन्यवाद ज्ञापित किया.

किरंदुल पुलिस और किरंदुल स्थित समाज सेवी संस्था कलिंगा सोशल वेलफेयर ने संयुक्त रूप से उस मानसिक रूप से कमजोर राधा नाम कि लड़की को उसके परिजनों से मिलाने में अपनी भूमिका अदा किया जो काफी सराहनीय रहा.

नगर में बना प्राचीन कुआ का अस्तित्व खतरे में,जानमाल के नुकसान की बनी आशंका

गरियाबंद (समय दर्शन)। कुआ जो पुराने समय में लोगो को पीने का पानी के साथ दैनिक कार्य के लिए भी पानी उपलब्ध कराता था,उसका अस्तित्व अब खत्म होते जा रहा है,जिसे प्राचीन धरोहर के रूप में भी देखा जाता है लेकिन नगर के अधिकांश कुआ या तो पट गया और जो बचा है उसमे गंदगी अटा पड़ा है।उसी प्राचीन धरोहर को बचाने पिछली सरकार ने मुहिम भी चलाया था ताकि बच्चे हुए कुएं को सुरक्षित किया जा सके।लेकिन स्थानीय नगरपालिका की उदासीनता के चलते नगर में बचे गिने चुने कुएं का अस्तित्व भी खतरे में जा रहा है साथ ही उन कुओं में जानमाल का खतरा तो बना ही है,जिसमे कभी भी बड़ी घटना भी घट सकती है। गौरतलब है की नगर के वार्ड नंबर चार नया तालाब के करीब में लगभग डेढ़ सो वर्ष पूर्व स्थानीय निवासी रामप्रसाद मेश्राम के द्वारा कुआ बनवाया गया था,उस कुआ के निर्माण के तत्काल बाद ही उस कुएं के पानी को वार्ड वासियों को उपयोग में करने के लिए दे दिया गया था।लेकिन नगरपालिका द्वारा उस मार्ग में कभी सीसी मार्ग तो कभी पेवर ब्लाक टाइल्स लगाने के कारण सड़क ऊपर होता गया और कुएं का आहता जमीन सड़क के बराबर हो गया,जिसके चलते मंगलवार सुबह एक मवेशी उस गंदगी भरे कुएं में गिर गया जिसे उसी वार्ड के जागरूक युवाओं के द्वारा बड़ी मुस्किल से रस्सी के सहारे बाहर निकाला गया जबकि इससे पहले भी कई बार उस कुएं में मवेशी गिर चुका है,और कभी भी कोई खेलता हुआ बच्चा वे इंसान के गिरने को आशंका हमेशा बनी रहती है।इस समस्या के निवारण के लिए वार्ड वासियों द्वारा कुएं के आहता को ऊपर करने या कुएं के नजदीक जाली लगाने कई बार मौखिक और लिखित आवेदन दिया जा चुका है।इस कुएं की सुरक्षा के विषय में नगर पालिका सीएमओ से बात करने कोशिश किया गया लेकिन उनके द्वारा फोन नही उठाया गया।वही अध्यक्ष गफ्फू मेमन ने कहा की उस वार्ड वासियों की मांग को देखता हु,और जाली लगवाने का कार्य जल्दी पूरा हो जाएगा।

20 जुलाई तक राजस्व पखवाड़ा (शिविर) का आयोजन

राजस्व संबंधित समस्याओं का होगा त्वरित निराकरण

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु 06 जुलाई 2024 से 20 जुलाई 2024 तक जिले के सभी ग्रामों में कार्य योजना के साथ राजस्व पखवाड़ा (शिविरों) का आयोजन किया जाएगा। राजस्व पखवाड़ा शिविर में प्राप्त आवेदनों का निराकरण की दैनिक प्रगति प्रारूप (गूगल शीट) में नियमित रूप से प्रविष्टि कर जानकारी अपडेट की जायेगी।

कार्यालय कलेक्टर दुर्ग से मिली जानकारी के अनुसार शिविर में राजस्व न्यायालय संबंधी मामलों के अंतर्गत विवादित एवं अविवादित नामांतरण/खाता विभाजन के समय सीमा के बाहर प्रकरणों का शत प्रतिशत निराकरण, सीमांकन, व्यपवर्तन, वृक्ष कटाई से संबंधित समय सीमा से बाहर के प्रकरण का शत प्रतिशत निराकरण, अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/तहसीलदार के न्यायालय में धारा 115 अंतर्गत अभिलेख त्रुटि सुधार के प्रकरणों में पटवारी द्वारा पंचनामा एवं प्रतिवेदन प्राप्त कर शत-प्रतिशत निराकरण, सभी राजस्व न्यायालय में शून्य आदेश पत्र वाले प्रकरणों में शत-प्रतिशत आदेश की प्रविष्टि करना, सभी राजस्व न्यायालय में दर्ज ऐसे प्रकरण जिनकी पेशी तिथि अद्यतन नहीं है, शत-प्रतिशत पेशी तिथि अद्यतन करना एवं जनहानि, पशुहानि, फसलक्षति से संबंधित आर.बी.सी. 6-4 के तहत प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करना इत्यादि मामले शामिल है।

इसी प्रकार भू-अभिलेख संबंधी मामलों के अंतर्गत कोटवारों द्वारा विक्रय की गई कोटवारी/सेवा भूमि के विरुद्ध समुचित कार्यवाही, वार्षिक कृषि सांख्यिकी सारणी तथा ऋतु एवं फसल प्रतिवेदन वर्ष 2023-24 का शत-प्रतिशत जानकारी उपलब्ध कराना, अभिलेख शुद्धता (संकलन हेतु शेष खसरे, विलोपन हेतु संदिग्ध खसरा, शून्य रकबा वाले खसरा, भूमि स्वामी विहीन खसरा, भूमि स्वामी के विवरण में स्पेशल कैरेक्टर युक्त खसरा, संयुक्त खातेदार का नाम पृथक-पृथक न होकर एक साथ दर्ज होने, त्रुटिपूर्ण खसरा, भूमि स्वामी क्रमांक निर्धारण हेतु शेष बसरों की संख्या) अंतर्गत शत-प्रतिशत निराकरण, नक्शा बटांकन अंतर्गत जुलाई माह में प्रत्येक तहसील में प्रगति, भूमि स्वामी के खातों में आधार, मोबाईल नंबर, किसान किताब एवं जेंडर की प्रविष्टि करना इत्यादि मामले शामिल है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) अंतर्गत आवेदन आमंत्रित

कवर्धा (समय दर्शन)। स्वयं का रोजगार स्थापित करने में सहायक केंद्र प्रवर्तित योजना प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत् जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र कबीरधाम को वित्तीय वर्ष 2024-25 अंतर्गत 42 हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक श्री डीएल पुसाम ने बताया कि योजनान्तर्गत बैंको के माध्यम से विनिर्माण क्षेत्र में अधिकतम 50 लाख रूपए तथा सेवा क्षेत्र में अधिकतम 20 लाख रूपए का ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने बताया कि योजना के अनुसार सामान्य श्रेणी के हितग्राहियों को शहरी क्षेत्र के लिए 15 एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए 25 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग, महिला, अन्य पिछडा वर्ग, अल्पसंख्यक, निःशक्तजन, भूतपूर्व सैनिक को शहरी क्षेत्र के लिए 25 एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए 35 प्रतिशत अनुदान की पात्रता है। योजना अंतर्गत् विभिन्न प्रकार के उद्योग एवं सेवा श्रेणी यथा गुड़ निर्माण, फ्लाई एस ब्रिक्स निर्माण, फेब्रिकेशन, हालर आटा चक्की, सेंटरिंग कार्य, फर्नीचर, च्वाईस सेंटर, फोटो कापी, टेन्ट हाउस, टेलरिंग, मोटर सायकल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक दुकान एवं रिपेयरिंग, सेलून आदि के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकते है।

महाप्रबंधक श्री पुसाम ने बताया कि बताया कि योजनान्तर्गत आवेदन प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक दस्तावेज पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड, अंकसूची, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, स्थायी जाति प्रमाण पत्र (लागू होने पर), जनसंख्या प्रमाण पत्र एवं अन्य सहपत्र यथा निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, बैंक पासबुक, आईटीआर, बीमा पालिसी आदि है। स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए इच्छुक एवं पात्र हितग्राही व े ब सा इ ॅ ट ू.ाअपबवदसपदम.हवअ.पद/चउ महचवदसपदम.हवअ.पद पर आनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

सात सूत्रीय मांग को लेकर शिव सेना ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

अहिवारा (समय दर्शन)। सड़क पर जानवरों के बैठने के कारण सड़क दुर्घटना होने लगी है। योगेश साहू शिवसेना जिला प्रभारी ने दुर्ग जिला कलेक्टर रिचा प्रकाश चौधरी जी को ज्ञापन सौंपते हुए। ध्यान दिलाया कि बेसहारा गोवंश पशुओं की उचित व्यवस्था किया जाए, क्योंकि बारिश के मौसम में सड़कों पर गोवंश मक्खियों से परेशान होकर बैठ जाते हैं। जिससे वाहन चालक को अपनी जान पर खेल कर वहां से निकालना पड़ता है, वह ध्यान मुहचलने पर जान-हानि दुर्घटना जैसे, देखने को मिलते हैं शिव सैनिकों के माध्यम से बेसहारा गोवंश पशुओं की समस्या के बारे में ध्यान दिलाना चाहता हूं भिलाई क्षेत्र से सेक्टर व मैन रोड वह ग्रामीण क्षेत्र में आजकल हर तरफ गाय, भैंस, बछड़ा और खतरनाक कुत्ते सड़कों पर स्वतंत्र होकर घूमते दिखाई देते हैं। यह पशु मालिकों द्वारा चढ़ने के लिए खुले में छोड़ दिए जाते हैं जिससे कॉलोनी में और गली मोहल्ले में आने जाने की समस्या हो गई है यह पशु सड़क के बीचो-बीच बैठ जाते हैं जिससे ट्रैफिक तक जाम हो जाता है तथा वाहनों के आगमन में परेशानी होती है कभी-कभी तो यह पशु आपस में बीच सब्जी बाजार में वह हाईवे रोड पर लड़ते हैं जिससे वाहा आपस के लोग बहुत डरे हुए हैं, ऐसे में नगर निगम, नगर पालिका परिषद वह पंचायत के सभी मुख्य अधिकारी अपने मुंह में दही जमा कर बैठे हैं। जो कोई

प्रशासन से अधिकारी क्षेत्र पर दौर पर आए तो वह गोठान में कहीं भी से बेसहारा पशुओं को भरकर फोटो खींचकर धर पकड़ से सरकारी अधिकारी की आंखों में धूल झोंक लेती है। और उसके पैसे भी पास करवा लेते हैं जिस हिंदू संगठन वह हमारे जैसा शिव सैनिक अपने जेप से दुर्घटना होने पर उसको इलाज करते हैं और उसको सही जगह पर छोड़ते रहते हैं। और पशु चिकित्सा डॉक्टर को फोन करने पर इधर-उधर का दुख जाता है और मनमानी से दादागिरी करतें हैं। ऐसे कर्मचारियों को जो दो से तीन साल एक क्षेत्र में कार्य कर चुके हैं उसको तत्काल ट्रांसफर किया जाए और उसकी जगह नयी डॉक्टर लाया जाए जिससे बेजुबान जानवरों के इलाज में तेजी से आगे बढ़े। ऐसी और प्रशासन से कुछ और ध्यान दिलाना चाहता हूं। साथ ही प्रमुख मांगे ।

गौ माता में 33 कोटी देवी देवता का वास है, इसे राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए। गौ माता की सुविधा हेतु पशु वाहन की तत्काल व्यवस्था की जाए। बेशहरा पशु सड़क किनारे रहती है बंद पढ़ी गौठान तत्काल शुरू किए जाए। पशु की दुघर्टना बचाने हेतु रेडियम गले में डाली जाए। गोवंश को दफनाने हेतु प्रशासन जमीन की सुविधा उपलब्ध कराए। नंदिनी अहिवारा पशु चिकित्सा (डॉक्टर अल्प चंद्राकर जी) का मनमानी और दादागिरी इसको तत्काल ट्रांसफर किया जाए ताकि और करने वाले गोवंश बच जाए। शासन से अनुरोध है कि शासकीय पशु चिकित्सो की मनमानी और दादागिरी आए दिन देखने को मिलती है जिस पर कड़ी कार्रवाई किया जाए।

इस मुख्य कारण कार्यक्रम पर उपस्थित। शिवराम केसरवानी शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष, सम्राट सिंह शिवसेना दुर्ग जिला अध्यक्ष, योगेश कांकेर शिवसेना जिला उपाध्यक्ष, मुन्ना भाई भिलाई नगर अध्यक्ष, व पाटन विधानसभा अध्यक्ष जितेंद्र धनकर आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दिव्यांग स्कूल के कर्मचारी द्वारा बच्चो की पिटाई, नपा अध्यक्ष ने लिया संज्ञान

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर में संचालित निजी दिव्यांग स्कूल के कर्मचारी द्वारा दिव्यांग स्कूल के मूक वधिर बच्चो को मारने और डाट फटकार लगाने की शिकायत के चलते नगरपालिका अध्यक्ष गफ्फू मेमन ने स्कूल पहुंचकर समाज कल्याण विभाग के अधिकारियो पुलिस विभाग और मीडिया को बुलाकर स्कूल के कर्मचारियों के खिलाफ जांच कर उचित कार्यवाही को मांग किए।

ज्ञात हो कि नगर के गांधी मैदान के समीप संचालित निजी दिव्यांग स्कूल में लगभग 50 मूल वधिर बच्चे पढ़ाई कर रहे है,स्कूल के मूक वधिर बच्चे जो शारीरिक अक्षमता के चलते स्कूल में ही निवास कर पढ़ाई कर रहे है,उन्हें उसी स्कूल के दो महिला कर्मचारियों के द्वारा मारा व डाटा जाता था जबकि वे बच्चे शारीरिक और मानसिक अक्षमता के चलते जैसा बन पा रहा है वे रह रहे है।वही बीते रात को लगभग साढ़े नौ बजे पुनः वहा के कर्मचारी के द्वारा स्कूल की छात्रा जिसे सुनाई नही देता और

न बोल पाती है उसे बाल पकड़कर मारा जा रहा था।उस स्थिति का किसी के द्वारा वीडियो बनाकर नगरपालिका अध्यक्ष गफ्फू मेमन को भेज कर इसकी शिकायत किया गया,जिसे नपा अध्यक्ष ने गंभीरता से लेते हुए इस बात की जानकारी कलेक्टर को दिया और इसकी शिकायत सिटी कोतवाली देते हुए स्कूल पहुंचा।इस बात की जानकारी होते ही समाज कल्याण विभाग के अधिकारी ठाकुर और कोतवाली प्रभारी ओमप्रकाश यादव अपनी महिला व पुरुष आरक्षको के साथ मौके पर पहुंचे।जहा उक्त बच्चे से उन्ही की जुबान से पूछने पर वो इशारे से महिला कर्मचारियों द्वारा बाल खींचने और मारने की बात बताई जिसे सुनकर नपा अध्यक्ष गफ्फू मेमन ने उचित कार्यवाही की मांग किए अन्यथा कोतवाली के सामने धरने पर बैठने की बात तक कह डाले।जिसके चलते समाज कल्याण विभाग के अधिकारी द्वारा उक्त स्कूल के दोनो महिला कर्मचारियों को हटाने और उचित कार्यवाही करने का आश्वासन नपा अध्यक्ष को दिए जाने पर गफ्फू मेमन संतुष्ट हुए।

खबर-खास

रमेश पटेल विधायक प्रतिनिधि नियुक्त, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष

सरायपाली विधायक चातुरी नंद ने जनपद पंचायत बसना के लिए किया नियुक्त

सरायपाली (समय दर्शन)। सरायपाली विधायक चातुरी नंद ने ग्राम चनाट निवासी वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता रमेश पटेल को जनपद पंचायत बसना के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। रथ यात्रा कार्यक्रम के दौरान ग्राम चनाट पहुंची विधायक नंद ने उन्हें ग्रामीणों के सामने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। विधायक प्रतिनिधि रमेश पटेल ने विधायक चातुरी नंद का आभार जताते हुए कहा कि मुझ जैसे अंतिम छोर के कार्यकर्ता को बड़ी जिम्मेदारी दी है जिसके लिए विधायक जी और कांग्रेस पार्टी का धन्यवाद। आपने जिस उम्मीद और विश्वास के साथ मुझे जिम्मेदारी है उसमें खरा उतरने का पूरा प्रयास मैं करूंगा। बता दें कि सरायपाली विधानसभा चुनाव के दौरान विधायक चातुरी नंद ने चनाट क्षेत्र से एकतरफा बढ़त ली थी जिसके बाद उनका इस क्षेत्र से विशेष लगाव है। रमेश पटेल को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त होने से क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता पद्मलोचन पटेल, विद्या सिदार, टीकाराम पटेल, भारत पटेल, मोहन पटेल, जय कुमार पटेल, उदल पटेल, लव पटेल, अजय पटेल, कुंजन पटेल देवेश पुरषोत्तम पटेल, कमलदेव पटेल, संतलाल पटेल, नरेन्द्र पटेल, डोलामड़ी,जयबन, मनीष, भागीरथी, प्रकाश समेत अंचल के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

रायपुर में मोटुल ने ऑटो मैकेनिकों के लिए सेहत की समृद्धि पहल की शुरुआत की

रायपुरः भारत में प्रीमियम, हाई-परफॉर्मेंस इंजन ऑयल एवं इंडस्ट्रियल ल्यूब्रिकेंट का निर्माण करने वाली प्रमुख कंपनी, मोटुल इंडिया ने अपनी सीएसआर पहल, मोटुल सेहत की समृद्धि की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य ऑटो मैकेनिकों, उनके परिवार के लोगों और समुदाय के सदस्यों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाना है, जिसके तहत 6 जुलाई, 2024 को रायपुर में शिविर का आयोजन किया, जिसके बाद तीन और अनुवर्ती स्वास्थ्य शिविर होंगे। । यह भारत के 20 शहरों में स्वास्थ्य जांच सेवाओं के लिए बड़े पैमाने पर आयोजित शिविरों की श्रृंखला का शिविर है। मोटुल इंडिया की अगुवाई में स्माइल फाउंडेशन के साथ मिलकर शुरू की गई यह पहल जून 2024 से मार्च 2025 तक जारी रहेगी, जिसमें पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, असम, ओडिशा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के प्रमुख क्षेत्र शामिल होंगे। चिकित्सा सेवाओं तक सीमित पहुँच वाले समुदायों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के साथ-साथ सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव को कम करने के उद्देश्य से इस पहल की शुरुआत की गई है। आने वाले 9 महीनों के दौरान 80 स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिनसे लगभग 16,000 लाभार्थियों को बड़े पैमाने पर चिकित्सा देखभाल की सुविधा मिलेगी। इससे इलाज पर उनकी जेब से होने वाला खर्च काफी कम हो जाएगा, घर-घर स्वास्थ्य की सेवाओं पहुँच का दायरा बढ़ेगा और कुल मिलाकर समुदाय के सदस्यों के बीच सेहतमंद ज़िंदगी जीने की आदतों को बढ़ावा मिलेगा। इस मौके पर मोटुल इंडिया एवं साउथ एशिया के सीईओ, श्री नागेन्द्र पाई ने कहा, ×ह्ह्वश्ह्ल;हमने देश भर में ऑटो मैकेनिक और उनके परिवारों की खुशहाली को बढ़ावा देने के इरादे से सेहत की समृद्धि की शुरुआत की है। हम चाहते हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं की सहज उपलब्धता के साथ उनका जीवन सकारात्मक रूप से बेहतर हो। हम स्माइल फाउंडेशन के साथ मिलकर, और समाज पर बड़ा प्रभाव डालने वाली परियोजनाओं को लागू करने में उनकी विशेषज्ञता के साथ, हम समुदाय में उन लोगों की सेहत की परवाह करने वाला रवैया विकसित करना चाहते हैं, जो मोटर-वाहन उद्योग का सबसे बड़ा सहारा हैं।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

जनदर्शन में मिले 69 आवेदन

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभा कक्ष में जनदर्शन में जिले के नगरीय,ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों से आये लोगों की मांग, समस्याएं एवं शिकायतें सुनी।जिस पर कलेक्टर श्री अग्रवाल ने उपस्थित अधिकारियों को उनके समाधान का निराकरण करने को कहा।जनदर्शन में 69 लोगों ने आवेदन प्राप्त हुए।इस दौरान कुछ समस्याओं का निराकरण जनचौपाल में ही किया गया,शेष आवेदनों के निराकरण के लिए निर्धारित समय तय की गई है।

आज के जनदर्शन में ग्राम करेली के गौकरण सिंह मरकाम ने अत्यधिक बिजली बिल आने की समस्या को लेकर पहुंचे थे,जिस पर कलेक्टर ने सीएसईबी को अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार ग्राम गोंदलाबाहरा के रंजीत ने कृषि भूमि सीमांकन करने,ग्राम बोरसी के शिवनंदन साहू ने भू-स्वामी जमीन पर कब्जा दिलाने,ग्राम करकरा के दादूराम यादव ने अंतर राशि दिलाने,ग्राम पाण्डुका के अजीज खान ने श्रवण यंत्र प्रदाय करने की मांग की। इसके अलावा छुरा की मंजू देवार ने आधार कार्ड एवं राशन कार्ड बनाने,ग्राम धवलपुर के तलकराम ने तेन्दूपत्ता की राशि दिलाने,ग्राम हिराबतर के ग्रामीणों ने ग्राम हिराबतर को अलग से ग्राम पंचायत बनाने,छुरा में आदिवासी कन्या आश्रम शाला का त्वरित जीर्णोद्धार करवाने,ग्राम गायडबरी के आवासपारा में ट्रांसफार्मर लगाने,ग्राम पंचायत गायडबरी के मॉ जतमई संचालन ग्रामसभा समिति ने अतिक्रमण हटाने,ग्राम रोहिना के सरपंच ने सुन्दरपरा शासकीय प्राथमिक शाला जर्जर भवन का मरम्मत कराने,ग्राम नवापारा के उग्रसेन यादव ने सीमांकन प्रतिवेदन प्रदान करने,ग्राम खड़मा की धनेश्वरी ने शौचालय निर्माण हेतु राशि प्रदान करने,ग्राम कासरबाय के समस्त ग्रामवासियों ने प्राथमिक शाला कासरबाय में प्राधन पाठक की नियुक्ति करने,गरियाबंद के वार्ड नम्बर 13 निवासी टिकेश कुम्भकार ने स्वामी आत्मानंद स्कूल में दाखिला कराने आवेदन प्रस्तुत किये। इस दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके निराकरण के लिए ग्रामीणों को आश्वस्त किया।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ रीता यादव,अपर कलेक्टर अरविन्द पाण्डेय सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

नि :शुल्क कौशल प्रशिक्षण के लिए आवेदन 23 जुलाई तक

बिलासपुर। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत असिस्टेंट मैन्यूल मेटल आर्क वेल्डर, टैक्सी ड्राईवर, डोमेस्टिक इलेक्ट्रिशयन सोल्यूशन कोर्स में कौशल प्रशिक्षण के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। इच्छुक आवेदक 23 जुलाई 2024 तक 8वीं, 10वीं, 12वीं की अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र एवं पासपोर्ट साईज फोटो, आधार एवं पेन कार्ड लिंक के साथ आईटीआई कोनी बिलासपुर में उपस्थित होकर आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए संस्था कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

10 जुलाई को जिले में वृहद वृक्षारोपण के तहत लगभग डेढ़ लाख पौधों का किया जायेगा रोपण

गर्भवती एवं शिशुवती माताओं द्वारा 85 हजार फलदार वृक्षों का रोपण किया जायेगा

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कल जिले के सभी विकासखंडों में होने वाले वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में जानकारी ली।इस पर अधिकारियों ने बताया कि जिले में 10 जुलाई को विकासखंड गरियाबंद के ग्राम मालगांव,छुरा के ग्राम रानीपरतेवा,फिंगेश्वर के ग्राम श्यामनगर,मैनपुर के ग्राम जाड़ापदर एवं देवभोग विकासखंड के ग्राम मुड़ागांव में मनरेगा के माध्यम से उद्यानिकी विभाग द्वारा 7 हजार 500 पौधों का रोपण किया जायेगा।इसके अलावा जिले के सभीऑगनबाड़ियों में 12 जुलाई को वृक्षारोपण किया जायेगा। इसी तरह कृषि विभाग द्वारा विकासखंड गरियाबंद एवं देवभोग के विभिन्न गांवों कुल 28 हेक्टेयर से अधिक रकबा पर 3 हजार 365 पौधे,वन विभाग द्वारा 37 हजार 700 पौधे एवं शिक्षा विभाग द्वारा 12 हजार 470 पौधरोपण किया जायेगा। इस प्रकार लगभग डेढ़ लाख पौधों का रोपण किया जायेगा।कलेक्टर ने कहा कि वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत स्थलवार जिन अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है,वे समय पर कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहे।इसी प्रकार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला प्रशासन के अभिनव पहल पर पोषण निवेश कार्यक्रम के तहत 17 हजार नवविवाहित,गर्भवती, शिशुवती द्वारा पांच पांच फलदार पौधे का रोपण एवं संरक्षण अभियान के तहत अपने-अपने बाड़ियों पर लगभग 85 हजार पौधरापेण किया जायेगा,जिसे गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया जायेगा।जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि ग्राम पारागांव में कलहितग्राहियों के घरों में फलदार पौधों का रोपण होगा

कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि पीएम जनमन योजना के तहत छुटे हुए हितग्राहियों का शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड,आधार कार्ड,किसान क्रेडिट कार्ड,जाति प्रमाण पत्र,पीएम विश्वकर्मा,पीएम आवास,उज्जवला गैस कनेक्शन,किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं से लाभान्वित करें।विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को शिविर के माध्यम से किसी भी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है,ऐसे हितग्राहियों के सफलता की कहानी बनाए एवं गूगलशीट पर भी अपलोड करें।कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि राहगीरों को सड़क मार्ग से सुविधाजनक आवाजाही हो इसे ध्यान में रखते हुए सड़क अथवा सड़क के आसपास में बैठे घुमंतू मवेशियों को गौ-शाला अथवा कांजी हाउस में रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।जिससे सड़क पर होने वाले अनावश्यक जनहानि से लोगों को बचाया जा सके।उन्होंने जिले के आश्रम छात्रावास,स्कूल,ऑगनबाड़ी केन्द्रों चिकित्सालय,प्रधानमंत्री आवास एवं अन्यसंस्थाओं के निरीक्षण के लिए बनाए गये नोडल अधिकारियों को प्रतिमाह फीडबैक जिला कार्यालय में देने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने किसानों के खेती-किसानी के लिए किसानों द्वारा समिति के माध्यम से उठाये गए खाद-बीज के उठाव एवं भण्डार के संबंध में जानकारी ली।साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, ई-केवाईसी,लैंड सिडिंग,आधार अपडेशन शत प्रतिशत करने के निर्देश दिये।

जिले में कालाबाजारी, मुनाफाखोरी रोकने बीज, उर्वरक तथा कीटनाशक दुकानों का किया औचक निरीक्षण

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने जिलें में बीज,उर्वरक एवं कीटनाशक के अवैध परिवहन, कालाबाजारी,मुनाफाखोरी रोकने तथा शासन द्वारा निर्धारित दर पर ही कृषकों को बीज,उर्वरक एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं। जिसके परिपालन में कृषि विभाग के उप संचालक चंदन कुमार राय के मार्गदर्शन में सहायक संचालक कृषि रमेश कुमार निषाद द्वारा सोमवार 8 जुलाई को गरियाबंद विकासखण्ड के मेसर्स माँ विद्या कृषि केन्द्र ग्राम मदनपुर का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान परिसर में स्कंध पंजी/वितरण पंजी संधारण नहीं करने, कैश/क्रेडिट मेमो जारी नहीं करने,अवसान तिथि उपरांत कीटनाशकों का भंडारण करने तथा बिना स्त्रोत प्रमाण पत्र के कीटनाशकों का भंडारण एवं वितरण किया जाना पाया गया।जिसके फलस्वरूप कीटनाशी अधिनियम 1968 एवं नियम 1971 के निहित प्रावधान के अनुसार जब्ती की कार्यवाही की गई।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, जिला दुर्ग

रा.प्र.क्र. / ई-कोर्ट रजि.नं.	पक्षकार का नाम
202407100400 , अ-2/2 सन् 2023-24	सैय्यद जिया जाफर

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सैय्यद जाफर पिता एस.एस. जाफर निवासी एच.आई.जी. 1/151 बोरसी, तहसील व जिला दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन / पुर्ननिर्धारण हेतु छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2) (5) के तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है ।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं. जहां आवेदित भूमि स्थित है	खसरा नम्बर	रकबा (क्षेत्रफल)	प्रयोजन
ग्राम- बोरसी/39 तहसील व जिला दुर्ग	224/50	0.033 हे. /3600 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति- दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 05/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला दुर्ग

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि./ यां.) संभाग दुर्ग

// निविदा आमंत्रण सूचना //

ज्ञाप क्र. 3713 / नि.प्र. क्र. 02/लो.नि.वि./2024-25 — दुर्ग, दिनांक 05/07/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य का विद्युतीकरण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 16/07/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 26/07/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 29/07/2024 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि में अवकाश हो या अधोहस्ताक्षरकर्ता शासकीय दौरे पर हो तो निविदा आगामी कार्य दिवस मे खोली जावेगी।

स.क्र./ निविदा क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
(1) T0017	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Civil Sub Division No.-02, Durg (Zonal work)	4.80 Lacs
(2) T0018	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under District Bemetara (Zonal work)	4.90 Lacs
(3) T0019	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under District Balod (Zonal work)	4.95 Lacs
(4) T0020	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under District Kabirdham (Zonal work)	4.95 Lacs
(5) T0021	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Block Patan, District Durg (Zonal work)	4.90 Lacs
(6) T0022	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Civil Division, Bemetara (Zonal work)	4.80 Lacs
(7) T0023	Providing E/F work to Deposit /MOW/OM work to CCMC Kachandur, District Durg	4.99 Lacs
(8) T0024	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Civil Division, Balod (Zonal work)	4.92 Lacs
(9) T0025	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Civil Division, Kawardha (Zonal work)	4.92 Lacs
(10) T0026	Providing Ordinary Maintenance work of Street Light and High Mast work under Sub Dn. No.-01, Durg	4.95 Lacs
(11) T0027	Providing E/F work for Maintenance of Street Lights under R.B., N.R.B., Rest House and Circuit House at District Bemetara	4.90 Lacs
(12) T0028	Providing E/F work to OW/Deposit/MOW/S/R/OM work under Civil Sub Division No.-01, Durg (Zonal work)	4.99 Lacs

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र मे उपलब्ध है। निविदा संबंधी अन्य शर्तें का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।
टीप:- (1) आबंटन प्राप्त होने पर ही देयक का भुगतान किया जायेंगा।

कार्यपालन अभियंता
(लोक निर्माण विभाग (वि./ यां.) संभाग दुर्ग

जी- 242500934/2

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग

प.नं. 202406100400306/अ-2/2023-24

//उद्घोषणा पत्र//

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सरस्वती साहू आ. /पति पवन साहू निवासी सुभाष नगर दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम - दुर्ग प.ह.नं. 19 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं 1263/122 रकबा 0.006 हे. 600 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है जिसके सबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा प्रकाशन से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 25/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मुहर दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, जिला दुर्ग

रा.प्र.क्र. / ई-कोर्ट रजि.नं.	पक्षकार का नाम
202406100400131, अ-2/2023-24	श्री विकाश कुमार

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री विकाश कुमार पिता कृष्णदेव प्रसाद निवासी एस/02, 1806/1 बालाजी रेसीडेंसी राजारामपुरी कोल्हापुर महाराष्ट्र द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन / पुर्ननिर्धारण हेतु छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2) (5) के तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है ।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं. जहां आवेदित भूमि स्थित है	खसरा नम्बर	रकबा (क्षेत्रफल)	प्रयोजन
ग्राम- उमरपोटी प.ह.नं. 52 तहसील व जिला दुर्ग	1001/9	0.0210 हे. /2266 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति- दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 30/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, जिला दुर्ग

रा.प्र.क्र. / ई-कोर्ट रजि.नं.	पक्षकार का नाम
202406100400254, अ-2/2023-24	श्रीमती के. रजनी गणेश

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती के. रजनी गणेश पति श्री के. गणेश कुमार निवासी सेक्टर 7, भिलाई जिला दुर्ग, द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन / पुर्ननिर्धारण हेतु छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2) (5) के तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है ।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं. जहां आवेदित भूमि स्थित है	खसरा नम्बर	रकबा (क्षेत्रफल)	प्रयोजन
ग्राम- उरला प.ह.नं. 16 तहसील व जिला दुर्ग	638/29	0.019 हे. /2100 वर्गफीट	आवासीय प्रयोजनार्थ

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति- दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 20/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला दुर्ग

विश्व हिन्दू परिषद बिछिया खण्ड के परसकोल में ग्राम समिति गठित

बसना(समय दर्शन)। विश्व हिन्दू परिषद शीर्ष नेतृत्व के द्वारा सतत हिन्दू जागरण को लेकर ग्राम्य जीवन में पुनः अमृतमय वातावरण निर्मित करने तथा सभ्यता संस्कृति को पुनः पल्लवित करने वैदिक दर्शन के साथ आध्यात्मिक आस्था जगाने महासमुन्द जिला टीम द्वारा अथक मेहनत करते हुए प्रखण्ड, खण्ड एवं ग्राम स्तर पर समिति गठित कर ग्राम्य जीवन मे मधुरता लाने ,समता व बंधुत्व स्थापित करने, समरसता लाने सभी सनातनी बंधुओं को एक सूत्र में पिरोकर हिन्दू सर्वे सहोदरा के भाव पर बल देते हुए ग्राम स्तर पर सप्ताह में एक बार ग्राम के मंदिर मे एकत्रित होकर हनुमान चालीसा,दुर्गा चालीसा, शिव चालीसा, सत्संग, रामायण आदि सामुहिक भजन संध्या व प्रसाद वितरण करने प्रेरित किया जा रहा है।जिला व प्रखंड की टीम गाँव गाँव जाकर सनातनी बंधुओं को एक सूत्र में पिरोने का कार्य कर रही है। बसना प्रखंड के बिछिया खण्ड के ग्राम परसकोल मे ग्राम समिति का गठन के पूर्व विजय मंत्रोपचार व ईष्ट देवों की जयघोष के साथ प्रारम्भ हुआ ।

दिनांक 9 जुलाई 2024 दिन मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद के कार्य विस्तार के लिए विश्व हिन्दू परिषद के जिला अध्यक्ष सौरव अग्रवाल ,जिला सह मंत्री बसंत देवता ,प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष विद्याचरण पटेल ,प्रखंड मंत्री अरुण प्रधान ने बसना प्रखंड के बिछिया खंड के परसकोल गांव में प्रवास किया एवं ग्राम समिति का गठन किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से परसकोल में विश्व हिंदू परिषद ग्राम समिति का गठन किया गया ,जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष गणेश राम साहू , कार्यकारी अध्यक्ष ऋषिकेश साहू, उपाध्यक्ष सतनारायण, मंत्री वीरेंद्र भोई ,सह मंत्री रंजन साहू ,बजरंग दल संयोजक मुकेश खम्हरी ,सहसंयोजक खिरोद्र खम्हारी ,गौ सेवा सेवक प्रमुख करुणाकर साहू, धर्म प्रचार प्रचार प्रमुख अनंत प्रधान, सत्संग प्रमुख अशोक खम्हारी ,सुरक्षा प्रमुख पुरुषोत्तम साहू ,सेवा प्रमुख कमलनयन दास ,विद्यार्थी प्रमुख बोधन साहू को दायित्व दिया गया। बैठक के अंत मे जय घोष के साथ समापन हुआ।

संक्षिप्त-खबर

कुदारीबाहरा मे स्काउट गाईड द्वारा एक पेड मां के नाम थीम पर वृक्षारोपण

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल कुदारीबाहारा में एक पेड़ माँ के नाम थीम को लेकर भारत स्काउट्स एंड गाइड शासकीय हाई स्कूल कुदारीबाहारा के गाईड द्वारा राज्य मुख्यालय एवं जिला मुख्यालय के निर्देशानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसमें फलदार छायादार वृक्ष जैसे आम, नीम, जामुन करंज आदि विभिन्न प्रकार के वृक्षो का स्काउट्स एव गाइड द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर स्काउट प्रभारी गजानन भोई एवं गाइड प्रभारी श्रीमती मनीषा ध्रुव , प्राचार्य दुर्योधन साव, श्रीमती मीना तिर्की, रामसिंह नाग तथा गाईड धारिणी मांझी,कविता साव, किरण कसौंदी, नीता कसौंदी, नंदिनी साव,आकाश मिर्धा,योगेश दुबे, अजितेश मांझी, अमितेश मांझी, तिलक यादव आदि गाईड उपस्थित रहे ।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय लाखागढ़ मे प्रवेश उत्सव मनाया

बसना (समय दर्शन)। पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय लाखागढ मे नये शिक्षा सत्र के शुभारंभ को एक उत्सव के रूप शाला प्रवेश उत्सव आयोजित किया गया। उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि एमसी के अध्यक्ष श्रीमती मंजू लता मिरी एसएमसी सदस्य श्रीमती शांति बाई साहू एवं समस्त पालकगढ और शिक्षिका शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ सावित्रीबाई फूले एवं डॉ भीमराव अंबेडकर व छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना कर दीप प्रज्ज्वलित कर राजकीय गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में छात्रों ने मनमोहन नृत्य कर फूल माला पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने नव प्रवेशी विद्यार्थियों को तिलक , फूल माला पहनकर पाठ्य पुस्तक व शाला गणवेश वितरण के साथ मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। इस दौरान अतिथियों के अलावा समस्त विद्यालय स्टाफव छात्रायें उपस्थित रहे।

डॉ. शिल्पी सदा बहार, राष्ट्रीय सुभाषचंद्र बोस लेखन संभाषण शिखर सम्मान 2024, से सम्मानित

दुर्ग (समय दर्शन)। रविवार को गांधी भवन, भोपाल, निर्दलीय समाचार पत्र समूह एवं सह प्रकाशन (जन संगठन दृष्टि एवं सामूहिक संभाग), आयोजक कैलाश श्रीवास्तव आदमी (सूत्रधार, संस्थापक एवं संपादक) एवं प्रिंस अभिषेक श्रीवास्तव अज्ञानी (प्रभारी) के 51वां वार्षिकोत्सव सह साहित्योत्सव 2024 में डॉ. शिल्पी सदा बहार, पीएचडी (समाज शास्त्र एवं हिन्दी साहित्य)। पूर्व शिक्षिका, एवरग्रीन स्व सहायता समूह (अध्यक्ष एवं संचालिका), ऑल वालंटरी एसोसिएशन फाउंडेशन (जिलाध्यक्ष), अंतरराष्ट्रीय बंगाली समाज (संस्थापक एवं अध्यक्ष), दुर्ग (छत्तीसगढ़) को सुभाषचंद्र बोस एवं जबंदलाल शर्मा (पंजाब) की स्मृति में श्रीमती आशा शर्मा (मुंबई), आजीवन सदस्य-हिन्दी लेखिका संघ (पूर्व अध्यक्ष), निर्दलीय प्रकाशन (संरक्षक), द्वारा राष्ट्रीय सुभाषचंद्र बोस लेखन संभाषण शिखर सम्मान 2024, से सम्मानित किया गया।

शीतला मंदिर में 11 को माता का जुड़वास कार्यक्रम

दुर्ग। कसारीडीह सिविल लाईन स्थित सतरुपा शीतला मंदिर में 11 जुलाई को माता का जुड़वास कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सुबह 7 बजे मंदिर के पुजारी पंडित धीरज शर्मा एवं बैंगा श्यामलाल यादव द्वारा माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कराई जाएगी। इस पूजा-अर्चना के माध्यम से शहर की सुख-समृद्धि व खुशियाली के लिए माता से प्रार्थना की जाएगी।

विवेकानंद नगर की सड़कों की हालत बदहाल, लोगों का पार्षद के खिलाफ बढ़ा आक्रोश

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर निगम क्षेत्र के 60 वार्डों में से अधिकांश वार्डों में इन दिनों लाखों-करोड़ों के सीसी रोड व अन्य विकास कार्यों का भूमिपूजन व शिलान्यास किया जा रहा है,लेकिन इसके बावजूद कई वार्ड अभी भी विकास कार्यों से अछूते है। इनमें से एक वार्ड पोटियाकला वार्ड-54 है। वार्ड अंतर्गत आने वाला क्षेत्र विवेकानंद नगर गणपति चौक की सड़कों की हालत बदहाल है। जहां से गुजरना दुर्घटना को न्यौता देने के सामान है। सड़कों की दयनीय स्थिति से क्षेत्र के लोग परेशान है। शिकायत के बावजूद नगर निगम प्रशासन समस्या की अनदेखी कर रहा है,वहीं पार्षद का भी इस ओर ध्यान नहीं है। जिसके चलते नाराज क्षेत्रवासियों ने नगर निगम पर क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाया है। वार्डवासियों ने बताया है कि पोटियाकला वार्ड क्रमांक-54 अंतर्गत आने वाला यह क्षेत्र लंबे समय से नगर निगम की उपेक्षा का शिकार है। वार्ड के पार्षद अजय वर्मा नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष के पद को सुशोभित करते है। बावजूद विवेकानंद नगर में न तो नाली निर्माण किया जा रहा है और न ही अंदर कालोनी में सड़कों का निर्माण किया गया है। लोग थोड़ी सी बारिश में इन सड़कों में आने-जाने से डरते है,क्योंकि इन सड़कों में भवन निर्माण से संबंधित वाहनों से और भी बड़े बड़े गड्ढे हो गए है। जगह-जगह पानी पाईप लाईन लिकेज हो रहे है,जिससे सड़कों के कीचड़ व गड्ढों में रोज महिलाएं, स्कूल कॉलेज आने जाने वाले छात्र-छात्राएं गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे है। इन सड़कों को सीसी सीमेंटीकरण कराने व पाईप लाईन का मरम्मत कराने के लिए वार्ड पार्षद को कई बार मौखिक व आवेदन देकर निवेदन किया जा चुका है। बावजूद पार्षद द्वारा समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। जिसकी वजह से क्षेत्र की सड़कों की स्थिति बदहाल हो गई है। विवेकानंद नगर (गणपति चौक) के नागरिकों का कहना है कि अगर हाल-फिलहाल सीसी रोड निर्माण संभव नही है, तो कम से कम डस्ट व मुरूम डलवाकर सड़कों का संधारण किया जाए, ताकि बरसात में क्षेत्रवासियों को आवागमन में परेशानियों का सामना न करना पड़े। क्षेत्र के निवासियों ने चेतावनी भरे शब्दों में कहा है कि नगर निगम प्रशासन या पार्षद जल्द ही क्षेत्रवासियों की इन समस्याओं का समाधान नहीं करवाती है, तो क्षेत्रवासी निगम चुनाव का बहिष्कार करने के लिए बाध्य होंगे।

शांति नगर इंदु आई.टी. स्कूल के पीछे अवैध प्लाटिंग पर की गई कार्यवाही

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग की शिकायत मिली थी, कि शांति नगर इंदु आई.टी. स्कूल के पीछे वाले भाग में अवैध प्लाटिंग की जा रही है। धड़ल्ले से प्लाट काट कर मुरम गिराकर रोड का निर्माण किया जा रहा है। जिसका परमिशन नगर निगम भिलाई एवं टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग से नहीं लिया गया था।

नगर निगम भिलाई के भवन अनुज्ञा विभाग की टीम एवं तोड़ फोड़ दल मौके पर पहुंचकर रोड निर्माण के कार्य को रूकवाया। आयुक्त नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा बार-बार दिशा निर्देश जारी किया जा रहा है कि कोई भी व्यक्ति निगम क्षेत्र में प्लाट खरीदने से पहले नगर निगम भिलाई के भवन अनुज्ञा शाखा में आकर संपर्क कर लें। वह जो प्लाट खरीद रहा है, जो मकान या दुकान बनाने के लिए उसका परमिशन मिलेगा की नहीं। फिर भी लोग नगर निगम भिलाई या पटवारी कार्यालय या टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग जाकर यह परीक्षण नहीं करवा रहे है कि उनके खरीदा जाने वाला प्लाट सही है अथवा नही। दलाल के बहकावे में आकर प्लाट खरीद लेते है। प्लाट पर मकान या दुकान बनाने का परमिशन नहीं मिलता है, तो बाद में परेशान होते है। इसलिए प्लाट खरीदते समय सभी सचेत रहें।

कार्यवाही के दौरान भवन अनुज्ञा विभाग से सब इंजिनियर दौलत चंद्राकर, शहबाज खान, जोन 2 के राजस्व अधिकारी जे.पी.तिवारी एवं निगम के तोड़फोड़ दस्ता दल उपस्थित रहा।

कलश यात्रा में शामिल हुए शिव भक्त, ग्राम छाटा में शिव महापुराण कथा आज से शुरू

- पहले दिन देवी स्थापना और कथा के महात्म की दी जानकारी

पाटन (समय दर्शन)। श्री शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन समीप के ग्राम छाटा में दिनांक 9 जुलाई से शुरू हुआ। कथा की शुरुआत में आज दोपहर को कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में शिव भक्त शामिल हुए। कलश यात्रा गांव की गलियों भ्रमण करते हुए कथा स्थल पहुंची। इसके बाद यहां पर कलश पूजन, घट पूजन, सहित देवी स्थापना वैदिकंत्रोचार के साथ किया गया। इसके बाद कथा वाचक पंडित पुरन प्रसाद शर्मा श्रीधाम अंडी डोंडीलोहारा जिला बालोद द्वारा व्यास पीठ से शिव महापुराण सुनने की कड़ी शुरू हुई। शिव महापुराण कथा का महात्म की चर्चा करते हुए पंडित श्री शर्मा ने कहा की जीवन में तीन लोगों का आशीर्वाद जरूरी है. बचपन में मां का, जवानी में महात्मा का और बुढ़ापे में परमात्मा का, मां बचपन को संभाल देते ही, महात्मा जवानी सुधार देता है और बुढ़ापे को परमात्मा संभाल लेता है. इसलिए कहा गया है मां, महात्मा और परमात्मा से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने कथा का विस्तार करते हुए कहा की कहा कि मॉ वह जो हमें संस्कार देती है, जैसा बीज बोएंगे वैसा ही फल पाएंगे। धर्म का बीज रोपण किया है तो संस्कार रूपी फसल लहलहराएगा। महात्मा वह है जो हमें सद्मार्ग पर बढने की प्रेरणा देते हैं और परमात्मा की भक्ति करने से कर्मों का क्षय होकर पूण्य का संचय होता है। व्यक्ति जन्म से नहीं, कर्म से महान बनता है। मानव चरित्र की आराधना करके मोक्ष मार्ग की और जा सकता है। धर्म की निन्दा करने वाला नरक गति में जाता है। कथा के दूसरे दिन । 10 जुलाई को शिवलिंग महिमा, चंचुला कथा, 11 जुलाई को सती चरित्र, दक्ष वध, पार्वती जन्म गुण निधि कथा, 12 जुलाई नारद मोह, माता पार्वती विवाह 13 जुलाई कार्तिक जन्म, गणेश जन्म प्रसंग, 14 जुलाई समुद्र मंथन, गणेश विवाह, 15 जुलाई शमी, मंदार की कथा, 16 जुलाई महीषासुर उद्धार, शिव कृष्ण मिलन एवं शिव पुराण चढौत्री , 17 जुलाई बेल पत्र वर्षा, हवन महाप्रसाद वितरण के साथ का विश्राम होगा। इस अवसर पर नोहर लाल यादव, मोंगरा यादव, बलदाऊ एमिन यादव, जामवंतीन यादव, सावित्री यादव, हरी राम यादव, कविता यादव, किरण यादव लक्ष्मी यादव, मोंटू यादव, सहित यादव परिवार के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विद्युत दर में बढ़ोतरी कर सरकार आम जनता की जेब में डाल रही है डाका – विधायक संदीप साहू

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। विद्युत दर में बढ़ोतरी एवं अघोषित बिजली कटौती को लेकर कसडोल विधायक संदीप साहू ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पिछले पांच माह में विद्युत सरप्लस वाला छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कटौती का केंद्र बन गया है। ऐसा कोई दिन नहीं होता जब बिजली दो चार घंटे के लिये बंद न हो छत्तीसगढ़ के अधिकतर गाँवो में रात में तो बिजली की स्थिति और भयावह हो जाती है। घंटो बिजली गुल होने से आम जनता परेशान है भाजपा से न सरकार संभल पा रहा और न ही व्यवस्थायें सरकार एक तो पूरे समय बिजली नहीं दे पा रही ऊपर से उपभोक्ताओं पर महंगी बिजली का बोझ डाल रही है। वही एक तरफअघोषित बिजली कट रही है वहीं दूसरी ओर विद्युत दर में बढ़ोतरी कर सरकार आम जनता के जेब में डाका डालने का कार्य कर रही है। उन्होंने आगे कहा है कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने आम जनमानस के साथ छलावा किया है। लोकसभा चुनाव के मतदान के तुरंत बाद ही बिजली की दरों में बढ़ोतरी कर दी गई है। जिससे आम जनमानस बहुत त्रस्त हो चुके हैं आमदनी में लगातार गिरावट और बेतहाशा बढ़ती हुई चौतरफा महंगाई की मार के बाद अब उपभोक्ताओं को यह बिजली के बिल में बढ़ोतरी का अतिरिक्त बोझ भी सहन करना पड़ेगा आम जनमानस की समस्याओं को लेकर सरकार को कोई ध्यान नही आर्थिक रूप से टूट चुके गरीब मध्य वर्ग को इस प्रस्तावित अतिरिक्त बोझ से राहत देने हेतु बिजली दरों में बढ़ोतरी का निर्णय को भाजपा सरकार तुरंत वापस लेकर आम जनता को राहत देने का काम करना चाहिए।

प्रशासनिक दफ्तर में घुसकर गुंडागर्दी, सरकारी तंत्र के सुरक्षा पर सवालिया निशान?

- नायब तहसीलदार युवराज साहू के दफ्तर में घुसकर कुलप्रीत सिंह ने की मारपीट.!

झलप(समय दर्शन)। समाज के अधिकारी को बेवजह मारपीट करने की घटना को लेकर साहू सामाज आया सामने,, मुख्यमंत्री के नाम से कलेक्टर को ज्ञापन सौपने की हैं तैयारी ।

देखा जा रहा है,प्रशासनिक दफ्तरों में घुसकर गुंडागर्दी करने वालों के हौसले बुलंद होते जा रहे है। लगातार हो रहे साहू सामाज के ऊपर हमले को लेकर साहू सामाज के कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। लगातार इस तरह से, दफ्तर में घुसकर मारपीट की घटना बढ़ती जा रही है। वहीं सामान्य प्रशासन विभाग मौन क्यों है..? ये पहली ऐसी घटना नहीं है इससे पहले भी महासमुंद के आबकारी कार्यालय में घुसकर एक कर्मचारी जो की साहू समाज से बिलॉन्ग करता है । उनकी आंखों में कार की चाबी से वार कर घायल कर दिया गया था। आखिर ऐसे लोगों की हिम्मत के पीछे किसी बड़े राजनेताओं का हाथ होता है..?

इसी तारतम्य में ताजा घटना घटा जिसमे झलप स्थित राजस्व कार्यालय में नायब तहसीलदार से मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। जहां उनसे उन्हीं के राजस्व कार्यालय में मारपीट हुई है।

इसकी सूचना पर पटेवा थाने में दी गई। जिस पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

झलप स्थित उप तहसील में पदस्थ नायब तहसीलदार युवराज साहू के साथ उन्हीं के राजस्व न्यायालय में मारपीट की घटना घटित हुई है। नायब तहसीलदार युवराज और कुलप्रीत सिंह के बीच किसी बात को लेकर कहा सुनी हुई और बातचीत के दौरान कुलप्रीत ने मारपीट की घटना को अंजाम दे दिया। घटना से आक्रोशित राजस्व अधिकारी व कर्मचारियों ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना के पश्चात

रायपुर संभाग के बहुत से जिलों के पटवारी, आर आई, नायब तहसीलदार और तहसीलदार पटेवा थाने पहुंचे। जहां उन्होंने इस मामले की जानकारी प्राप्त कर झलप के नायब तहसीलदार के साथ हुए मारपीट के पक्ष में स्नङ्घक्रदर्ज किया है। आरोपी व्यक्ति नायब तहसीलदार के साथ कॉलर पकड़कर गाली-गलौच किया। नायब तहसीलदार युवराज साहू ने बताया कि आरोपी जिसने उनके साथ मारपीट की है उसका कोई भी केस उनके कोर्ट में लंबित नहीं है।

तहसीलदार ने बताया कि आरोपी उनके पास आया और कहने लगा कि नायब तहसीलदार ने उसे 420 क्यों कहा ? जिसके जवाब में उन्होंने ये कहा कि उन्होंने 420 नहीं कहा, नायब तहसीलदार का दावा है कि उनके कोर्ट में ष्टष्टञ्जङ्क कैमरा लगा है, जिसमें वायस रिकार्डिंग भी मौजूद है और आरोपी ने उनकी डाइस पर जो पिटाई की उसके प्रमाण भी मौजूद है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी कुलप्रीत के खिलाफ (बीएनएस) 2023 की धारा 121(1), 132, 115(2), 296, 351 (2), 221 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26